02/2013

सप्रू हाउस लेख

मर्कोसुर

मरकाडो कोमुन डेल सुर

दक्षिण का आम बाजार

मर्कासुर की उत्पत्ति, संगठनात्मक ढ़ांचे, नवीनतम विकासों और समकालीन व्यापारिक पैटर्नों पर एक अध्ययन

नितिन आर्य

विश्व मामलों की भारतीय परिषद्

सप्रू हाउस, बाराखंभा रोड़, नई दिल्ली-110001

मर्कोसुर

मरकाडो कोमुन डेल सुर

दक्षिण का आम बाजार

**मर्कोसुर की उत्पत्ति, संगठनात्मक ढ़ांचे,
नवीनतम विकासों और समकालीन व्यापारिक
पैटर्नों पर एक अध्ययन**

नितिन आर्य

मर्कोसुर मर्काडो कोमुन डेल सुरः दक्षिण का आम बाजार

मर्कोसुर के उदय, संगठनात्मक संरचना, नवीनतम प्रगतियों और समकालीन व्यापार पैटर्नों का एक अध्ययन

प्रथम प्रकाशित, 2013

कॉपीराइट ©विश्व मामलों की भारतीय परिषद्

आईएसबीएन: 978-81-926825-6-3

सभी अधिकार संरक्षित हैं। इस प्रकाशन के किसी भी भाग को कॉपीराइट मालिक से अनुमति के बगैर पुनरुत्पादित, पुनःप्राप्ति प्रणाली में भंडारित, अथवा किसी भी प्ररूप में चाहे इलैक्ट्रानिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी से रिकार्डिंग अथवा अन्यथा, रूपांतरित नही किया जा सकता है।

इस प्रकाशन में व्यक्त किये गये तथ्य एवं मतों की जिम्मेदारी पूर्णतया लेखक के पास सुरक्षित है तथा उसका विवेचन आवश्यक रूप से विश्व मामलों की भारतीय परिषद्, नई दिल्ली के विचारों को व्यक्त नहीं करती है।

विश्व मामलों की भारतीय परिषद्
सप्रू हाउस, बाराखंभा रोड़, नई दिल्ली- 110 001, भारत
टेलीफोन : +91-11-23317242, फैक्स : +91-11-23322710
www.icwa.in

विषय-वस्तु

1.	**मर्कोसुर: एक पृष्ठभूमि**	5
	उद्देश्य - एक ऐतिहासिक संदर्भ	5
	महत्वपूर्ण लक्ष्य	5
	संस्थानिक संगठन	11
	सदस्य देश	12
	मुख्य तथ्य एवं आँकड़े	13
	उद्देश्य	13
	मर्कोसुर में प्रजातंत्र तथा उशुएया प्रोटोकॉल	14
	नवीनतम प्रगतियां	15
	मर्कोसुर एवं वेनेजुएला	15
	पराग्वे का निलंबन और इसका प्रभाव	17
	आंतरिक दर एवं उदारीकरण	18
	आम बाहरी शुल्क के प्रति अभिसरण (सीईटी)	19
	अंर्त-मर्कोसुर व्यापार	21
	अर्जेन्टीना-ब्राजील व्यापार विवाद	22
	ब्रीजीली रीयल का अवमूल्यन	22
	शुगर आयात पर शुल्क	23
	ऑटोमोबाइल आयातों पर मात्रात्मक प्रतिबंध	23
2.	**चीन, यूरोपीय संघ तथा उत्तरी अमेरिका के साथ पण्य व्यापार की संरचना**	24
	मर्कोसुर-चीन	24
	मर्कोसुर-यूरोपीय संघ	26
	मर्कोसुर-उत्तरी अमेरिका	26
3.	**मर्कोसुरः सेवा व्यापार**	28
	ब्राजील	28
	अर्जेन्टीना	29
	पैराग्वे एवं उरुग्वे	29
4.	**मर्कोसुर एवं भारत**	30
	2009 का प्राथमिक व्यापार समझौता	30
	भारत-मर्कोसुरः व्यापार आयतन विश्लेषण	31
	भारत-वेनेजुएलाः व्यापार आयतन विश्लेषण	33

5. निष्कर्ष

अनुलग्नक कः तालिका - मर्कोसुर व्यापार आकड़ों तथा सीईटी में अपवाद 37

अनुलग्नक खः मर्कोसुर के सामान निर्यात के प्रमुख साझेदार 38

अनुलग्नक गः मर्कोसुर के व्यापार निर्यात के प्रमुख साझेदार 39

अनुलग्नक घः प्रमुख साझेदारों के साथ मर्कोसुर का कुल वाणिज्यिक-वस्तु व्यापार 40

अनुलग्नक ङः मर्कोसुर का सेवा व्यापार आंकड़े 41

अनुलग्नक चः मर्कोसुर के साथ भारत का उत्पाद व्यापार 43

समाप्ति टिप्पणी **45**

ग्रंथसूची **46**

मर्कोसुर मर्काडो कोमुन डेल सुरः

दक्षिण का आम बाजार

मर्कोसुर के उदय, संगठनात्मक संरचना, नवीनतम प्रगतियों और समकालीन व्यापार पैटर्नों का एक अध्याय

1. मर्कोसुरः एक पृष्ठभूमि

रेजन डीट्रे - एक ऐतिहासिक संदर्भ

यूरोपीय औपनिवेशिक शक्तियों से स्वतंत्रता प्राप्त करने पर,लैटिन अमेरिकी नेताओं का एक एकीकृत लैटिन अमेरिका का विजन था। हालांकि,उन्नीसवीं सदी में राजनीतिक संघर्ष उभरे। इस अवधि और बीसवीं शताब्दी की शुरुआत के दौरान, आर्थिक विशिष्ट वर्ग संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप में अंर्त-लैटिन अमेरिका व्यापार (कैसन,2011,पृष्ठ 30) पर थोड़ा ध्यान केंद्रित करते हुए प्राथमिक उत्पाद निर्यात में लगा था। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के वर्षों में लैटिन अमेरिका में सैन्य तानाशाही का उदय देखा गया जो अपने संबंधित क्षेत्रों में आंतरिक नियंत्रण सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा था।

इन वर्षों के दौरान, लैटिन अमेरिकी देशों ने व्यापार के मामले में गिरावट का अनुभव किया। यहाँ पर उस समय रोजगार पैदा करने और अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए विनिर्माण क्षेत्र की क्षमता की बढ़ती मान्यता थी। इसने अत्यधिक मंदी के वर्षों के दौरान और युद्ध के बाद की अवधि में आयात प्रतिस्थापन औद्योगीकरण (आईएसआई) मॉडल को लागू किया। आईएसआई का उद्देश्य एक औद्योगिक आधार को विकसित करना और बढ़ावा देना था,जो लिंकेज बना सके और चालू खाता घाटे को कम कर सके। सुरक्षा के पक्ष में साम्राज्यवाद-विरोधी उत्थान और लॉबी के आवास को देखते हुए , इस क्षेत्र के देशों द्वारा उच्च शुल्क,कोटा और विनिमय दर नियंत्रण जैसे उपाय किए गए थे। संरक्षण की प्रभावी दर कई मामलों में टैरिफ की नाममात्र दर (रेयेस एंड सॉयर , 2011, पृष्ठ 192-193) से अधिक थी। इस प्रकार,जबकि औद्योगिकीकरण हुआ तोयह एक उच्च अवसर लागत पर आया और संसाधनों के अक्षम आवंटन का कारण हुआ। माल की कीमतें जो अभी तक लैटिन अमेरिकी देशों में अब घरेलू उत्पादन करने में सक्षम थीं, वेदुनियाभर के बाजारों (कैसन 2011 , 1) में प्रतियोगियों की तुलना में अधिक थीं। दूसरी ओर,विनिमय नियंत्रण जिसके माध्यम से स्थानीय मुद्राओं का प्रबंधन किया गया था वहनिर्यात के लिए विघटनकारी बना और इस प्रकार विदेशी मुद्रा उत्पन्न करने की क्षमता कम हो गई।

ब्राजील और अर्जेंटीना,इस क्षेत्र की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं,19वीं और 20वीं शताब्दी के अधिकांश (रोबल, एन.डी)के लिए अनसुलझे क्षेत्रीय विवाद थे। राष्ट्रीय प्राथमिकताओं की रक्षा और सशस्त्र बलों का प्रभाव इन दोनों देशों की विशेषता थीऔर इन्होंने निकट आर्थिक,राजनीतिक या सांस्कृतिक संबंधों की आवश्यकता पर विचार किए बिना आपसी अविश्वास में योगदान दिया (ओल्स्नेर , 2012, पृष्ठ 190)। पाराना

नदी के जल संसाधनों के उपयोग के विवादों पर द्विपक्षीय संबंधों में भी खटास आ गई। हालांकि ,अक्तूबर 1979 में कूटनीतिक वार्ता के बाद,विवाद को समाप्त करने के लिए ब्राजील,अर्जेंटीना और पैराग्वे के बीच एकॉर्डो त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस संधि ने ब्राजील और अर्जेंटीना के बीच सकारात्मक संबंधों की नींव रखी।

ब्राजील और अर्जेंटीना ने भी युद्ध के बाद की अवधि के दौरान परमाणु कार्यक्रमों का अनुसरण किया था (ओलेस्नर, 2012, पृष्ठ 190)। 1980 मेंपरमाणु मामलों तथा जल संसाधनों को साझा करने , विद्युत संपर्क और आम हित के मुद्दों पर परामर्श तंत्र की स्थापना (ओल्स्नेर, 2012, पृष्ठ 192) जैसे अन्य क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक समझौते से संबंध मजबूत हुए। 1982 में फ़ॉकलैंड युद्ध के दौरान ब्राज़ील ने अर्जेंटीना का समर्थन किया,जिसने दोनों देशों के बीच विश्वास की साझेदारीको और अधिक मजबूत किया। 1985 तकदोनों देशों में लोकतांत्रिक सरकारें थीं। लोकतांत्रिक होने के नाते,एक खुले संवाद और पारस्परिक रूप से लाभकारी परिणामों (प्लेसक, 2012) की ओर बढ़ने के लिए बहुत अधिक गुंजाइश थी। ब्राजील के राष्ट्रपतियों जोस सरनी और अर्जेंटीना के राउल अल्फिन्स ने सांस्कृतिक,राजनीतिक और आर्थिक तालमेल की एक प्रक्रिया शुरू कीजो कि पीआईसीई (अर्जेंटीना-ब्राजील एकीकरण और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम) की स्थापना की ओर अग्रसर है। पीआईसीई के सिद्धांत आकांक्षी सदस्यों (ओल्सनर 2012, 198)के लिए एक शर्त बन गए। क्षेत्रीयता और साझा आधिपत्य (पेलुफो और इग्नासियो, 2004) के बढ़ते महत्व को अंतर्राष्ट्रीय मामलों में महत्वपूर्ण तत्वों के रूप में मान्यता दी गई (मंजेटी, 1993,पृष्ठ 101-102)। विश्व व्यापार में दक्षिणी कोण क्षेत्र की तेजी से आशिंक भूमिका,ऋण संकट,दुनिया के अन्य हिस्सों में क्षेत्रीय समूहों का गठन को सुरक्षा संबंधी मुद्दों (1991 की एकीकरण कीसंधि) के रूप में माना जाने लगा। सुरक्षा को अब बड़े संदर्भ में देखा जाने लगा था,जहां इन नेताओं ने वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और व्यापार वार्ता में अपनी सौदेबाजी की शक्ति में सुधार करने के लिए (1991 की आर्थिक संधि) (मंजेटी, 1993) के लिए अपनी अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने की आवश्यकता महसूस की। इसने दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों और एकीकरण के लिए रेजन डीट्रीकी स्थापना की।

अल्फोंस और सार्नी ने पीआईसीईसमझौते को अपने लोकतंत्र (कैसन , 2011, पृष्ठ 38) को मजबूत करने और सैन्य प्रभाव और आक्रामकता (पेलुफो और इग्नासियो , 2004) को कम करके बाहरी सुरक्षा खतरे को कम करने के साधन के रूप में देखा। इसके अलावा,क्षेत्रीय एकीकरण के माध्यम से,नेता आईएसआईको व्यापक ढांचे (कैसन, 2011, पृष्ठ 39) में बढ़ावा देने के प्रयास के रूप में अंर्त-समुदाय के मौखिक एकीकरण को प्रोत्साहित करते दिखे,हालांकि, आईएसआईको जीवित रखने के इस प्रयास ने पीआईसीईके प्रगति में बाधा उत्पन्न की। उच्च मुद्रास्फीति और भुगतान के संतुलन के समय संरक्षित अर्थव्यवस्थाओं को खोलना कठिन था और 1988 और 1989 के दौरान एकीकरण की प्रक्रिया खतरे में पड़ती हुई दिखी। दोनों देशों में राष्ट्रपतियों की पहल के साथ,ब्राजील में फर्नांडो कोलोर डी मेलो और इटमार फ्रेंको और अर्जेंटीना में कार्लोस मेंम,जिन्होंने नवउदारवादी नीतियों की वकालत की उनके साथ एकीकरण का एजेंडा 1991(पेलूफो और इग्नासियो, 2004) में पुनः पटरी पर लौट चुका था। शीत युद्ध के अंत ने “कोई विकल्प नहीं” के विचार को स्थापित कर दिया। एकीकरण के लिए नए बाजार के अनुकूल दृष्टिकोण ने एक विस्तृत क्षेत्रीय दृष्टिकोण पर ध्यान कम कर दिया।

उरुग्वे और पैराग्वे अर्जेंटीना और ब्राजील के साथ अपनी सीमाओं को साझा करते हैं। उन्होंने ऐतिहासिक रूप से 19 वीं और 20 वीं शताब्दी में अर्जेंटीना और ब्राजील के बीच मध्यवर्ती राज्यों की भूमिका निभाई है (ओल्स्नर, 2012,पृष्ठ188-190)। इसके परिणामत: इन दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएँ अर्जेंटीना और ब्राज़ील की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के प्रभाव और एकीकरण के अधीन रही हैं। मर्कोसुर की स्थापना 1991 में ब्राजील,अर्जेंटीना,उरुग्वे और पराग्वे के रूप में अपने संस्थापक सदस्यों के साथ समर्थन संधि के साथ हुई है।

महत्वपूर्ण लक्ष्य

तालिका 1: मर्कोसुर के विकास में महत्वपूर्ण लक्ष्य

घटना	वर्ष	परिणाम
पीआईसीई समझौता (अर्जेन्टीना-ब्राजील एकीकरण एवं आर्थिक सहयोग कार्यक्रम)	1986	ब्राजील और अर्जेन्टीना ने पीआईसीई समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसने मर्कोसुर के गठन की नीव रखी।
असुंन्सन समझौता	1991	1995 तक एक आम बाजार का निर्माण करने के लक्ष्य के साथ अर्जेन्टीना, ब्राजील, पैराग्वे एवं उरुग्वे के मध्य मर्कोसुर (दक्षिणी आम बाजार) का गठन
ओरो प्रेटो का प्रोटोकॉल	1994	कानूनी व्यक्तित्व और अपनी संस्थागत संरचना की स्थापना के साथ सीमा शुल्क संघ का औपचारिकीकरण
यूरोपीय संघ के साथ अंर्तक्षेत्रीय संरचना सहयोग समझौता	1995	मर्कोसुर एवं यूरोपीय संघ द्वारा अंर्तक्षेत्रीय संरचना सहयोग समझौताहस्ताक्षरित किया गया
चिली और बोलीविया का शामिल होना	1996	चिली और बोलीविया इसके संबंद्ध देशों के रूप में इसमें शामिल हुए
यूशुएइया का प्रोटोकॉल	1998	लोकतांत्रिक समर्पणों पर युशुएइया के प्रोटोकॉल को हस्ताक्षरित किया गया
ओलिवोस का प्रोटोकॉल	2002	सदस्य देशों को कानूनी निश्चितता सुनिश्चित करने के लिए निपटान की व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता का एहसास कराता हैं
पेरू का शामिल होना	2003	पेरू तथा एक एंडियन समुदायिक सदस्य मर्कोसुर से एक संबंद्ध सदस्य के रूप में जुड़े.
मर्कोसुर (एपओसीईएम) के संरचनात्मक परिवर्तन के लिए राशि	2004	एफओसीईएमकी स्थापना संरचनात्मक अभिसरण को बढ़ावा देने,प्रतिस्पर्धा का विकास करने वसामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। जिसको विशेष रूप से छोटी अर्थव्यवस्थाओं और अविकसित क्षेत्रों में संस्थागत संरचना के संचालन का समर्थन और एकीकरण प्रक्रिया को मजबूत करने के

		लिए किया गया।
एंडियन समुदाय के देशों के साथ समझौता	2004	एंडियन समुदाय के देशों के साथ समझौते को हस्ताक्षरित किया गया। इस प्रकार कोलंबिया और इक्वाडोर मर्कोसुर के संबंद्ध सदस्य बन गए।
मर्कोसुर की संसंद के लिये संवादात्मक प्रोटोकॉल	2005	मर्कासुर संसंद, जिसे पार्लासुर के नाम से भी जाना जाता है, वैधरूप से अस्तित्व में आयी।
वेनेजुएला के प्रवेश के लिए प्रोटोकॉल	2006	वेनेजुएला नें सदस्यता समझौते पर हस्ताक्षर किए (पूर्ण प्रवेश, वेनेजुएला के प्रवेश के रूप में लंबित था , जिसकी पैराग्वे द्वारा पुष्टि नहीं की गई थी)
मर्कासुर की संसंद का उद्घाटन	2006	मर्कोसुर की संसंद का उद्घाटन किया गया। इसका उद्देश्य मर्कोसुर विनियमों को शामिल करने के लिए घरेलू कानूनी प्रणालियों के सामंजस्य के उद्देश्य से संस्थागत स्तर पर संसदीय सहयोग सुनिश्चित करना है। यह एकीकरण प्रक्रिया में कानूनी निश्चितता और पूर्वानुमान का निश्चित माहौल बनाना है।
मोंटेवीडियो प्रोटोकॉल	2011	मोंटेवीडियो प्रोटोकॉल हस्ताक्षरित किया गया। यह किसी भी सदस्य देश के विरूद्ध, जहां लोकतंत्र/संवैधानिक व्यवस्था से समझौता किया जाता है वहाँ कार्रवाई किया जाना सुनिश्चित करता है।
वेनेजुएला का प्रवेश / पैराग्वे का निलंबन	2012	उशुआइया प्रोटोकॉल के 'लोकतंत्र खंड' के उपयोग पर पैराग्वे को निलंबित कर दिया गया। वेनेजुएला ने अर्जेंटीना , ब्राजील और उरुग्वे की सहमति पर आरोप लगाया।
मर्कासुर संसंद चुनाव	2015	मर्कासुर संसंद चुनाव 2015 में होने अनुसूचित हैं

स्रोत: लेखक द्वारा अनेक संबंधित स्रोतों से एकत्रित की गई।

संस्थागत संरचना

ओरो प्रीटो 1994 के प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 2 के अनुसार, मर्कोसुर के निम्नलिखित छह अंग स्थापित किए गए थे:

1. आम बाजार की परिषद्
2. आम बाजार समूह
3. मर्कोसुर व्यापार आयोग
4. संयुक्त संसदीय समिति (जो अब मर्कोसुर संस्थागत संरचना का भाग नहीं है)

5. आर्थिक-सामाजिक परामर्श मंच
6. मर्कोसुर प्रशासनिक सचिवालय

उपरोक्त अंगो के अलावा, मर्कोसुर के निम्नलिखित अंग भी तत्पश्चात अस्तित्व में आए:

1. मर्कोसुर संसंद (इसका उद्घाटन 2006 में किया गया)
2. मर्कोसुर का समीक्षा का स्थायी न्यायालय (2002 में गठित)
3. मर्कोसुर का प्रशासनिक-श्रम न्यायालय (2003 मे गठित)
4. विधि-नियम के लिए मर्कोसुर का केंद्र (2004 में गठित)

मर्कोसुर के तीन सबसे महत्वपूर्ण अंग हैं आम बाजार परिषद्, आम बाजार समूह और मर्कोसुर व्यापार आयोग हैं। ये तीनों निर्णय लेने की शक्तियों के साथ अंर्त-सरकारी अंग हैं। इन्हें नीचे विस्तार से समझाया गया है (अंसन्शुन की संधि,1991) (अंतर्राष्ट्रीय प्रजातंत्र निगरानी, संधि) :

आम बाजार परिषद	मर्कोसुर का उच्चतम स्तर का अंग राजनीतिक नेतृत्व और निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार है। आम बाजार की अंतिम स्थापना के लिए निर्धारित उद्देश्यों व समय-सीमा के अनुपालन के लिए कार्य करना सुनिश्चित करता है। सदस्य देशों के विदेश मामलों के मंत्रियों और अर्थव्यवस्था के मंत्रियों का समन्वय करता है वर्ष में दो बार मिलते हैं (सदस्य देशों के अध्यक्ष वर्ष में कम से कम एक बार भाग लेते हैं) परिषद् की अध्यक्षता हर छह महीने में, वर्णमाला क्रम से परिचालित होती है।

आम बाजार समूह	आम बाजार का कार्यकारी अंग विदेश मामलों के मंत्रालयों द्वारा समन्वित है इसके कार्यों में संधि के साथ शिकायत की निगरानी करना,परिषद के फैसलों को लागू करने के लिए कदम उठाना,व्यापार उदारीकरण कार्यक्रम को लागू करने के उपायों का प्रस्ताव करना,व्यापक आर्थिक नीतियों का समन्वय करना,तीसरे पक्षों के साथ बातचीत करना और आम बाजार के गठन की दिशा में प्रगति सुनिश्चित करना शामिल है। प्रत्येक सदस्य देशों से चार स्थायी सदस्य और 4 विकल्प तैयार करता है जो विदेश मंत्रालय, अर्थव्यवस्था मंत्रालय और केंद्रीय बैंक का प्रतिनिधित्व करते हैं। सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधित्व के साथ सर्वसम्मति से निर्णय लिया जाता है।

व्यापार आयोग	सदस्य देशों के द्वारा अपनाये गई आम व्यापार नीति को लागू करता है। आम व्यापार नीति के कार्यान्वयन को लागू करता है अंर्त-मर्कोसुर व्यापार संबंधों से संबंधित समस्याओं पर परामर्श करना सदस्य देशों के विदेश मामलों के मंत्रालयों द्वारा समन्वित 4 स्थायी सदस्यों और 4 वैकल्पिक सदस्यों का संकलन होता है विषय क्षेत्र के अनुसार कार्य को लक्षित और पर्यवेक्षित करने के लिए तैयार तकनीकी समितियों का एक नेटवर्क शामिल है

सदस्य देश

- ***स्थायी सदस्य-*** अर्जेन्टीना, ब्राजील, पैराग्वे, उरुग्वे एवं वेनेजुएला
- ***एसोसिएट सदस्य-*** बोलीविया, कोलंबिया, इक्वाडोर, पेरू और चिली

मुख्य तथ्य और आंकड़े

- जनसंख्या: 276मिलियन
- जीडीपी (वर्तमान कीमतें): 3.30ट्रिलियन अमेरीकी डॉलर
- जीडीपी प्रति व्यक्ति (वर्तमान मूल्य):11,945 अमेरिकी डॉलर
- राजभाषाएं: स्पेनी, पुर्तगाली, गुआरानी
- मुख्यालय: मोंटेवीडियो, उरुग्वे
- विदेशी मुद्रा संग्रह: 466बिलियन अमेरीकी डॉलर
- प्रेसिडेंसी प्रो टेम्पोर:ब्राजील

उद्देश्य

मर्कासुर का गठन करने वाले समझौते असंशुन के समझौते के अनुच्छेद 1 के अधीन मर्कोसुर के उद्देश्य इस प्रकार से हैं (असुंशन का समझौता, 1991):

1. माल,सेवाओं और देशों के बीच उत्पादन के कारकों की स्वतंत्र आवाजाही,एक-दूसरे के बीच,माल की आवाजाही पर सीमा शुल्क और गैर-टैरिफ प्रतिबंधों का उन्मूलन,और इसी के समान अन्य कुछ भी;
2. एक सामान्य बाह्यदरसूची की स्थापना और तीसरे देशों या देशों के समूहों और क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक और वाणिज्यिक मंचों में पदों के समन्वय के संबंध में एक सामान्य व्यापार नीति को अपनाना;
3. देशों के समूहों के बीच वृहद आर्थिक और क्षेत्रीय नीतियों का समन्वय: विदेशी व्यापार,कृषि,औद्योगिक,राजकोषीय,मौद्रिक,विदेशी मुद्रा और पूंजी,सेवाएं,सीमा शुल्क,परिवहन और संचारऔर किसी भी अन्य क्षेत्र पर सहमति व्यक्त की जा सकती है,ताकि देशों के मध्य प्रतिस्पर्धा को उचित तरीके से सुनिश्चित किया जा सके;
4. एकीकरण की प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए संबंधित मामलों पर देशों ने अपने कानून का सामंजस्य स्थापित किया।

मर्कोसुर में प्रजातंत्र तथा युशुइया प्रोटोकॉल

ब्राजील के राष्ट्रपति जोस सरनी और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति राउल अलफिन्सन ने मर्कोसुर को लोकतंत्र को मजबूत करने और आर्थिक समावेशन की दिशा में एक कदम (मनज़ेटी,1993) की कल्पना की। सहकारी प्रयासों के माध्यम से,ये नेता विवादास्पद घरेलू और विदेश नीति के मुद्दों (मनज़ेटी,1993) का समाधान करते हुए दिखाई दिए। 1980 के मध्य में फिर से स्थापित लोकतंत्रों द्वारा पारस्परिक राजनीतिक समर्थन ने

दोनों समाजों के बीच विश्वास उत्पन्न किया। बाहरी प्रभाव और आक्रामकता के विरूद्ध बेहतर ढाल के लिए एक सामूहिक ताकत बनाने के लिए मर्कोसुर की परिकल्पना की गई थी। यह अमेरिका के मुक्त व्यापार क्षेत्र के विरूद्ध मर्कोसुर के सफल प्रतिरोध की व्याख्या करता है।

उशुआइया प्रोटोकॉल का गठन 1996में हुई पराग्वे की घटनाओं जब पराग्वे की सेना के कमांडर जनरल ओविदो ने राष्ट्रपति जुआन कार्लोस वासमोसी के विरूद्ध तख्तापलट का प्रयास किया था तब उसके जवाब में 1998 में किया गया था। एक सदस्य देश के अंदर लोकतंत्र के विघटन के मामले में,प्रोटोकॉल अन्य सदस्य राज्यों को विभिन्न निकायों (प्रोटोकॉलो दे उशुइया,1998) और मर्कोसुर के एकीकरण की प्रक्रियाओं में उस सदस्य राज्य की भागीदारी के अधिकार को निलंबित करने का अधिकार देता है। इन लोकतांत्रिक धाराओं के संस्थागतकरण को अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में अपनी छवि को बढ़ाने और वैधता प्राप्त करने के लिए एक रणनीति के रूप में देखा गया था।

उशुइया प्रोटोकॉल को जुलाई 2012 में राष्ट्रपति फर्नांडो लुगो (नीचे पैरा देखें) के महाभियोग पर लागू किया गया था और पराग्वे को जुलाई 2012 में मर्कोसुर से निलंबित कर दिया गया था।

नवीनतम प्रगतियां

मर्कोसुर एवं वेनेजुएला

2006 में राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज़ ने वेनेजुएला को कम्युनिटी ऑफ़ एंडियन नेशंस (सीएएन) से बाहर करने के अपने फैसले की घोषणा करने के बाद वेनेजुएला को जानबूझकर मर्कोसुर में शामिल कराया गया था। तब से,इसकी पूरी पहुँच को पैराग्वे द्वारा अवरुद्ध कर दिया गया थाजिसकी सीनेट ने वेनेजुएला (क्लॉन्स्की,हैनसनऔर ली,2012) में लोकतंत्र की कमी का हवाला देते हुए वेनेजुएला के प्रवेश की पुष्टि करने से इनकार कर दिया था।हालांकि,जून 2012 में पैरेगुआई राष्ट्रपति फर्नांडो लुगो के पद से हटने पर,मर्कोसुर के अन्य तीन सदस्यों ने उशुइया प्रोटोकॉल के प्रजातांत्रिक खंड को लागू किया और पराग्वे को निलंबित कर दिया। इन तीनों देशों के नेताओं ने उद्धृत किया कि इसके निलंबन के साथ, मर्कोसुर वोटों को प्रभावित करने के पैराग्वे के अधिकार को हटा (बीओले,2012) दिया गया था। 31 जुलाई 2012 को,वेनेजुएला मर्कोसुर का पांचवा पूर्ण सदस्य बन गया। मर्कोसुर में अपने एकीकरण के लिए,वेनेजुएला को विवादों के निपटारे के लिए असुनियन की संधि,ओरो प्रीतो के प्रोटोकॉल और ओलिवोस प्रोटोकॉल के प्रावधानों का पालन करना चाहिए और मौजूदा सामान्य नियम निम्नानुसार हैं (केपीएमजी,2012):

- वेनेजुएला को मर्कोसुर (एनसीएम) के सामान्य नामकरण को अपनाने के लिए एक समय-सारणी तथा आम बाह्य दरसूची (एईसी) स्थापित करनी चाहिए।4 वर्षों के अंदर हीवेनेजुएला को एनसीएमऔर एईसीको निम्न प्रकार से अपनाना चाहिए:
  - 60 दिनों के अंदर-ही-अंदर एनसीएम की कम से कम 3% टैरिफ लाइने;
  - दूसरे वर्ष से, एनसीएम की कम से कम 20% टैरिफ लाइने;
  - चौथे वर्ष से, शेष टैरिफ लाइनें।
- इसे अपनी संबंधित समय सारिणी के साथ एक वाणिज्यिक उदारीकरण कार्यक्रम स्थापित करना

चाहिए - वेनेजुएला को सदस्य राज्यों के साथ संपन्न विभिन्न अनुसूचियों के अनुरूप होना चाहिए,वाणिज्यिक उदारीकरण के कार्यक्रमों को अपनाना चाहिए जिससे सदस्य देशों से आयात के लिए व्यापार शुल्कों में कमी आए।

- इसे,तृतीय पक्षीय देशों/देशों के समूहों के साथ बातचीत करने के लिए आसियान की संधि के ढांचे के भीतर, वेनेजुएला की ओर से इसके उपयोग के उद्देश्य के लिए , उनके द्वारा संपन्न अंतर्राष्ट्रीय उपकरणों और समझौतों के संदर्भ में कार्रवाई और शर्तों और अवश्य परिभाषित करना चाहिए।
- वेनेजुएला के शामिल होने के कुछ महत्वपूर्ण परिणाम हैं। ह्यूगो चावेज़, जो 2012 में 6 और वर्षों के लिए फिर से चुने गए हैं , एक ऐसे मर्कोसुर की वकालत करते हैं जो सामाजिक चिंताओं को प्राथमिकता देता है और "अभिजात्य वर्ग" के कार्पोरेट मॉडल (क्लॉन्स्की,हैंसनऔर ली,2012) से दूर रहता है। उन्होंने कई उद्योगों का राष्ट्रीयकरण किया और एक ऐसे मर्कोसुर का प्रचार किया जो 'नवउदारवाद से विसंदूषित', एक अमेरिकी-विरोधी रुख के साथ एक राजनीतिक व्यक्तित्व का सुझाव देता है। नेस्टर किर्चनर और अब क्रिस्टीना फर्नांडीज डी किर्चनर के तहत अर्जेंटीना भी केंद्र से हट गया है और कई मुद्दों पर वेनेजुएला का समर्थन करता है। दूसरी ओर,ब्राजील और उरुग्वे अपने राजनीतिक विचारों में उदारवादी हैं। कोलोराडो पार्टी के फेडेरिको फ्रेंको के नेतृत्व में पैराग्वे की वर्तमान सरकार केंद्र के अधिकार में है। अलग-अलग तरीकों के होने के बावजूद भी,वेनेजुएला के प्रवेश पर व्यापार क्षेत्र जीडीपी का 378 बिलियन अमेरिकी डॉलर लगाता है। वेनेजुएला , जिसने भोजन की कमी का सामना किया है,सस्ते खाद्य आयात (क्लोंस्की,हैनसन,और ली,2012) से लाभ के लिए खड़ा होता है। अर्जेंटीना विशेष कीमतों (एल ट्रिब्यूनो,2012) पर वेनेजुएला से तेल के आयात से लाभान्वित हो सकता है और ब्राजील को अपने कृषि,औद्योगिक और निर्मित उत्पादों (श्रीहर्षा,2012) के लिए वेनेजुएला के बाजार तक पहुंच प्राप्त करने से लाभान्वित हो सकता है।

पैराग्वे का निलंबन और इसका प्रभाव

पैराग्वे को 25 जून, 2012 को लोकतांत्रिक क्रम को बाधित करते हुए इस प्रकार प्रजातांत्रिक समर्पणों पर उशुइया प्रोटोकॉल को लागू करते हुए जिसके लिए कि "एकीकरण प्रक्रिया के विकास के लिए एक आवश्यक पूर्व शर्त के रूप में पूर्ण लोकतांत्रिक संस्थानों की आवश्यकता है " करने के आधार पर मर्कोसुर से निलंबित कर दिया गया था(मेरकोप्रेस , 2012)। पराग्वे के राष्ट्रपति फर्नांडो लुगो को महाभियोग प्रक्रिया, जो केवल 2 दिनों तक चली थी के बाद 22 जून,2012 को (एसोसिएटेड प्रेस,2012) पद से हटा दिया गया था।

मर्कोसुर के नेताओं ने इस कदम को 'विधायी,सम्मेलन संबंधी या संस्थागत तख्तापलट ' के तौर पर बताते हुए अपनी अस्वीकृति व्यक्त की,क्योंकि राष्ट्रपति लुगो को अपनी सुरक्षा में अपना पक्ष रखने के लिए पर्याप्त समय देने से इनकार कर दिया गया था (मर्को प्रेस , 2012)। पैराग्वे का निलंबन अप्रैल 2013 में अगले राष्ट्रपति चुनाव होने तक तथा निलंबन के दौरान देश के पास किन्हीं भी राजनीतिक अधिकारों को न छोड़ते हुए तत्काल और प्रभावी था (बीओली,2012)। हालांकि ,मर्कोसुर के सदस्य देशों ने पैराग्वे (बीबीसी,2012) पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने से रोक दिया और पैराग्वे (इश्माएल,2012) के साथ अपने सामान्य व्यापार और आर्थिक संबंधों को जारी रखा।

आंतरिक दरसूची उदारीकरण

मर्कोसुर के सदस्य देश 30 जून,1991 से अंर्त-मर्कोसुर व्यापार पर शुल्क के क्रमिक और स्थिर उन्मूलन और 31 दिसंबर,1994 तक शुल्क का पूर्ण उन्मूलन (कैसन , 2011, पृष्ठ 58) के लिए सहमत हुए। उरुग्वे और पैराग्वे को इन नियमों का अनुपालन करने के लिए एक अतिरिक्त वर्ष दिया गया था। इस नियम के सीमित अपवादों को अनुमति दी गई थी। इन अपवादों को 'अनुकूलन शासन' सूची में शामिल किया गया था और इन शुल्कों का पूर्ण उन्मूलन 01 जनवरी,1999 (बोहरा,गवांडे,और सांगिनेटी,2004,पृष्ठ 65-88) तक किया जाना था। चीनी और मोटर वाहन के दो व्यापार क्षेत्रों को समझौते से बाहर रखा गया था।

इस प्रकार, 1991 में,अंर्त-मर्कोसुर आयात पर दर में 47% की कमी आई थी। इसके बाद क्रमिक कटौती देखी गई और 31 दिसंबर, 1994 तक जीरो शुल्क प्राप्त किया गया।

इसका एक सकारात्मक प्रभाव पड़ा क्योंकि इंट्रा-मर्कोसुर व्यापार 1991 में 4.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 1994 में 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया (विक्टर,एन. डी.)। 1991 और 1995 के बीच,अंर्त-मर्कोसुर अपने कुल निर्यात के अनुपात के रूप में 11.1% से 20.5% और इंट्रा-मर्कोसुर के आयात के अनुपात के रूप में अपने कुल आयात के अनुपात में 15.3% से बढ़कर 18.1% (लेयर्ड , 1997) तक बढ गया।

2006 तक,99% से अधिक टैरिफ लाइनों को शून्य में परिवर्तित कर दिया गया था। जून 2012 तक,चीनी को व्यापार समझौते से बाहर रखा गया और स्वचालित उत्पादों में व्यापार को सक्रिय रूप से प्रबंधित किया गया (व्यापार विनियम,सीमा शुल्क और मानक, 2012)।

आम बाहरी शुल्क के प्रति अभिसरण (सीईटी)

मर्कोसुर के सदस्य देशों ने कॉमन एक्सटर्नल टैरिफ (सीईटी) अर्थात सीमा शुल्क संघ की स्थापना 1994 के अंत तक करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। अधिकतम सीईटीकी अनुमति अर्थात किसी भी उत्पाद के लिए बाध्य दरसूची 22% (अर्नासेल एक्सटर्नेशन कोमून,2009) है। सीईटीको 01 जनवरी,1995 को लागू किया गया था। सीईटी (बोहारा, गांडेडे एवं सांग्वीनेटी,2004) को चार अपवाद अनुमेय थे ताकि संरचनात्मक समायोजन को सुविधाजनक बनाया जा सके और संबंधित उद्योगों (लेयर्ड,1997) में प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति हासिल की जा सके। इसके अपवाद निम्नलिखित थेः

- 'अनुकूलन शासनक्षेत्र ' जैसा कि पिछले पैराग्राफ में वर्णित है, में वस्तुओं पर आंतरिक शुल्क अभिसरण के उद्देश्य के लिए सीईटी से जुड़ा हुआ था। यदि आंतरिक शुल्क सीईटी के शुल्कों से अधिक थे तो सदस्य देश उच्च बाह्य दरों को निर्धारित कर सकते थे।
- प्रत्येक देश के लिए एक सामान्य अपवाद सूची की अनुमति दी गई थी। इस सामान्य अपवाद सूची में प्रत्येक देश द्वारा लगभग 300 टैरिफ-लाइन आइटम सूचीबद्ध किए गए थे। सीईटीको 2001 (2006 में पैराग्वे के लिए) इन वस्तुओं के लिए अभिसरण करना अपेक्षित था।
- पूंजीगत क्षेत्र से संबंधित 1136 टैरिफ-लाइनों के लिए सीईटी कोअर्जेंटीना और ब्राजील (उरुग्वे और पैराग्वे के लिए 2006) के लिए 2001 तक 14% में परिवर्तित होना था।

- कंप्यूटर और दूरसंचार क्षेत्र में सीईटी 0% और 16% के बीच भिन्न-भिन्न था तथा इसे 2006 तक सभी देशों के द्वारा अभिसरित किया जाना था।

टैरिफ एस्केलेशन मर्कोसुर के सीईटी की एक विशेषता थी अर्थात कच्चे माल और प्राथमिक वस्तुओं पर कम शुल्क और निर्मित/मूल्य वर्धित/तैयार माल (लैयई 1997) पर अधिक शुल्क। इससे प्रतिस्पर्धी आधार को हासिल करने के लिए औद्योगिक आधार के लिए समय की अनुमति देने के लिए पर्याप्त अवरोधों को बनाए रखकर विनिर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के मर्कोसुर के प्रयास का पता चलता है।

16 दिसंबर, 2010 को आम बाजार परिषद् के द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार प्रत्येक देश को विशेष संख्या की टैरिफ लाइनों के लिए स्वतंत्र रूप से एकमत से टैरिफ लाइनों को निर्धारित करने की अनुमति प्रदान की गई थी (विवरण के लिए अनुलग्नक ए देखें)। 2011 में सीईटी द्वारा आवेदित कुल सीईटी 11.50% थी और सदस्य देशों को केवल कंप्यूटर तथा दूरसंचार उत्पादों, शुगर एवं कुछ पूंजीगत सामान (यूएसटीआर, एन.डी.)। निर्धारित शुल्कों में 22% का एक अपवाद स्वचालित क्षेत्र है जहाँ पर शुल्क को 35% तक आवेदित किया जा सकता है।

2008 की मंदी के बाद से आर्थिक वृद्धि की दर के धीमे होने से यहाँ एक बढ़ता हुआ रुझान यह रहा है कि सुरक्षात्मक उपायों को लागू किया जाए (प्लमर, 2012)। दिसंबर 2011 में,निर्धारित शुल्क को बढ़ाकर 35% कर दिया गया था यहअधिकतम 100 उत्पादों पर डब्ल्यूटीओ द्वारा अनुमत अधिकतम शुल्क था। प्रत्येक देश को एक साथ 100 सामानों की अपनी सूची तय करने की अनुमति दी गई थी। जून 2012 मेंअर्जेंटीना ने प्रस्ताव किया कि आयात पर सीईटी को 22% से 35% तक बढ़ाया जाय (मेरकोप्रेस , 2012)। हालांकि, प्रस्ताव को मर्कोसुर द्वारा स्वीकार नहीं किया गया था लेकिनजिस सूची पर 35% आयात शुल्क लगाया जा सकता था , उसे 200 उत्पादों (उक्त) तक विस्तारित कर दिया गया था। धीमी आर्थिक वृद्धि और आगे आर्थिक प्रोत्साहन उपायों के लिए उनकी सीमित क्षमता के कारण ब्राजील और अर्जेंटीना सीईटी को बढ़ाने में रुचि रखते हैं; सीईटी में वृद्धि अर्जेंटीना के लिए विशेष महत्व रखती है जिसे 2001 में अपने संप्रभु ऋण डिफ़ॉल्ट के बाद अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय बाजारों से हटा दिया गया था ताकि अपने व्यापार अधिशेष (मेरकोप्रेस , 2012) को बनाए रखा जा सके।

अंर्त-मर्कोसुर व्यापार

अनुलग्नक-क में दिए गए आकड़ो के आधार पर 2001 और 2011 के बीच में अंर्त-मर्कोसुर निर्यात साढ़े तीन गुना से अधिक बढ़ा जबकि, मर्कोसुर के कुल वाणिज्यिक-वस्तु व्यापार में उनका हिस्सा 17 % से 15% कम हो गया। अंर्त-मर्कोसुर के निर्यात में सापेक्षतः यह कमी 1985 और 1997 के बीच के वर्षों के विपरीत है,जब ये आंकड़े दो महत्वपूर्ण देशोंब्राजील और अर्जेंटीना के लिए उल्लेखनीय रूप से बढ़े हैंजब अर्जेन्टीना का मर्कोसुर के सदस्यों को निर्यात कुल के 10% से लगभग 35% और ब्राजील के लिए 5% से कम और 15% से अधिक (कैसन, 2011, पृष्ठ 75) तक बढ गया। इस व्यापार में गिरावट के कारणों में से एक ब्राजील और अर्जेंटीना के बीच आवर्ती व्यापार विवाद हो सकता है(नीचे अर्जेंटीना-ब्राजील व्यापार विवाद पर पैराग्राफ देखें)।उदाहरण के लिए, 2008 के बाद से, अर्जेन्टीना के पेसो के मुकाबले ब्राजीली रीयल की गिरावट के अधीन, गैर-स्वचालित आयात लाइसेंस, एक गैर-शुल्क अवरोध (बेयर एवं सिल्वा, 2012) के अधीन

अर्जेन्टीना ने अपने उत्पादों की संख्या दोगुनी कर दी। इसके प्रत्युत्तर में,ब्राजील ने अर्जेंटीना के कई कृषि व्यवसाय और ऑटोमोबाइल निर्यात के लिए ब्राजील के लिए इसी प्रकार के अवरोधों को लागू कर दिया। अंर्त-मर्कोसुर व्यापार में गिरावट के अन्य कारण मर्कोसुर के अन्य प्रमुख भागीदारों की तुलना में मर्कोसुर बाजार का अपेक्षाकृत छोटा आकार और मर्कोसुर के व्यापार की विविधता में वृद्धि हो सकता है।

अर्जेन्टीना-ब्राजील व्यापार विवाद

ब्राजीली रियल का अवमूल्यन

1980 के दशक के दौरान और 1990 के दशक की शुरुआत में ब्राज़ील ने उच्च महगांईदर का अनुभव किया। उसी को कम करने के लिए,ब्राजील ने प्लानो रियलया रियल प्लान पेश किया,जिसने एक नई मुद्रा शुरू की,राजकोषीय और मौद्रिक उपाय किए और भुगतान घाटे के संतुलन को कम किया। इसके परिणामस्वरूपब्राजीली मुद्रा का समर्थन किया गया, जिसने अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में ब्राजील के निर्यात की प्रतिस्पर्धा को कम कर दिया। दूसरी ओर1990 के दशक में ब्राजील का बाहरी ऋण काफी बढ़ गया था। 1998 में,ऋण की सेवा लागत 60 बिलियन अमेरिकी डालर के करीब थी,जो जीडीपी का लगभग 7% (बेली एंड स्टैचर, एन.डी.) है। इसने ब्राजील को अपनी मुद्रा का अवमूल्यन करने के लिए मजबूर किया। अवमूल्यन के बादब्राज़ीलियाई रियल ने लगभग 40% (कैसन,2011,पृष्ठ 99) तक मूल्यह्रास किया औरइस प्रकार प्रभावी रूप से ब्राजील के निर्यात की लागत को आधा कर दिया। ब्राजील के आयात पर शुल्क लगाकर अर्जेंटीना ने जवाबी हमला किया। इस तरह के आयोजनों से ट्रेड ब्लॉक के अस्तित्व को खतरे में डाल दिया है।

शुगर आयात पर शुल्क

मर्कोसुर के प्रारंभ के बाद से चीनी, व्यापार वार्ता के बहुत संवेदनशील क्षेत्रों में से एक रहा है। उत्तर पश्चिमी अर्जेंटीना के कई प्रांत चीनी के उत्पादन पर निर्भर हैं (जुआरेज-डैपे, 2010) जबकि ब्राजील अपने चीनी उत्पादन पर भारी छूट देता है। अर्जेंटीना ने 2005 तक ब्राजील से चीनी आयात पर 20% शुल्क लगाया। मर्कोसुर के समझौतों के अनुसार यह 20% शुल्क वर्ष 2000 में समाप्त होना था। हालांकि, 2012 तक चीनी को व्यापार समझौते (यूएसटीआर, एन.डी.) से बाहर रखा गया है।

ऑटोमोबाइल आयातों पर मात्रात्मक प्रतिबंध

1994 के ओरो प्रेटो समझौते के अनुसारएक आम ऑटोमोबाइल नीति की व्यवस्था की गई थी। हालांकि,ब्राजील ने ऑटोमोबाइल निर्यात पर सब्सिडी देते हुए 1995 में ऑटोमोबाइल आयात पर प्रतिबंध लगा दिया। 1995 में ब्राजील की ये कार्रवाई मर्सोसुर समझौतों के उल्लंघन के कारण हुई। इस विवाद को अंततः राष्ट्रपति की कूटनीति (गोमेज़-मेरा, एन.डी.) द्वारा हल किया गया।

2. चीन, यूरोपीय संघ तथा उत्तरी अमेरिका के साथ पण्य व्यापार की संरचना

यह खंड 2001 और 2011 के बीच मर्कोसुर के वाणिज्यिक-वस्तु व्यापार (कृषि व्यापार सहित) की प्रवृत्ति का विश्लेषण करता है (वाणिज्यिक-वस्तु व्यापार के आंकड़ों और तालिकाओं के लिए अनुबंध क, ख, ग और घ देखें)। इस उद्देश्य के लिए, अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों अर्थात चीन,उत्तरी अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ मर्कोसुर के 2001, 2006 और 2011 के वर्षों के व्यापार आंकड़ों पर विचार किया गया है। इन 3 क्षेत्रों के साथ किया गया व्यापार मर्कोसुर के कुल वाणिज्यिक-वस्तु व्यापार का 50% के समीपथा।

मर्कोसुर-चीन

2001 से 2011 के बीच चीन में उत्पादों का निर्यात 3.14 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 16 गुना से अधिक बढ़कर 51.12 बिलियन हो गया है। ये निर्यात के आंकड़े उत्तरी अमेरिका की तुलना में 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर और भारत के व्यापार क्षेत्र के निर्यात की तुलना में 11 गुना अधिक हैं। (देखें मर्कोसुर पर अध्याय 4 - भारत व्यापार के आंकड़े)। चीन से आयात भी इसी प्रवृत्ति को प्रस्तुत करतें हैं जहाँ यह 2.84 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 17 गुना अधिक से 49.55 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ गया है। इस प्रकार यहाँ जब चीन के साथ कुल व्यापार की मात्रा में भारी वृद्धि हुई है,चीन के साथ मर्कोसुर के व्यापार संतुलन में थोड़ा बदलाव आया है।

चीन के लिए उत्पाद निर्यात में 2001 की तुलना में 2011 में मर्कोसुर के कुल व्यापारिक निर्यात का एक बड़ा हिस्सा शामिल है,जो 3% से बढ़कर 15% है। 15% का यह आंकड़ा उत्तरी अमेरिका से आयात के 17% से केवल 2 प्रतिशत कम है और यूरोपीय संघ से आयात के 19% से 4 प्रतिशत कम है। यह ऐसे समय में चीनी बाजारों और मर्कोसुर के लिए दक्षिण-दक्षिण व्यापार के महत्व के बारे में बताता है,जब विकसित देशों की माँग धीमी दर से बढ़ रही है वह भीखासकर 2008 के वित्तीय संकट के बाद से। मर्कोसुर पनामा नहर के माध्यम से चीन का प्रत्यक्ष शिपिंग लिंक चीन के बढ़ते व्यापार के लिए महत्वपूर्ण कारकों में से एक रहा है। चीन ने कोलंबिया के कैरिबियाई तट को अपने प्रशांत तट (कैरोल एंड ब्रानिगन,2011) से जोड़ने के लिए कोलंबिया में एक रेलमार्ग बनाने की भी योजना बनाई है। यह मर्कोसुर देशों से चीन तक कच्चे माल के परिवहन की आवाजाही में सहायता करेगा।

मर्कोसुर और चीन के बीच व्यापार का एक महत्वपूर्ण बिंदु मर्कोसुर के द्वारा चीन को निर्यात किया जाने वाला सामान कच्ची आवश्यक वस्तुएं हैं जबकि चीन औद्योगिक उत्पादों पर केंद्रित रहा हैं। उदाहरण के लिए ब्राजील से चीन को 2009 में किया गया 77% निर्यात में कच्ची वस्तुएं रहीं हैं तथा चीन से आयात होने वाले औद्योगिक वस्तुएं 98%रही हैं। 2011 में चीन और मर्कोसुर के बीच कुल 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के कुल व्यापार में से 25.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर में ईंधन और खनन के उत्पाद शामिल थे। इसमें लगभग 100% ईंधन और खनन उत्पादों को ब्राजील द्वारा निर्यात किया गया था। दिलचस्प बात यह है कि 2001 में,ब्राजील ने चीन को केवल 0.55 बिलियन डॉलर के ईंधन और खनन उत्पादों का निर्यात किया था।

पिछले दशक के बाद सेचीन और लैटिन अमेरिका के बीच उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान की संख्या में वृद्धि हुई है।चीनी अधिकारियों द्वारा 2004 और 2010 के बीच लगातारदौरा किए गए पांच देशों में से दो, ब्राजील और वेनेजुएला (कोलेस्की, 2011) थे। 2009 में, चीन ने ब्राज़ीलियाई राज्य के स्वामित्व वाली तेल

कंपनी (हर्न, 2012) पेट्रोब्रस को 10 बिलियन अमेरिकी डालर का ऋण देने की पेशकश की। 2012 में, ब्राजील और चीन ने स्थानीय मुद्राओं में 30 बिलियन अमेरिकी डालर के बराबर मूल्य की मुद्रा विनिमय समझौते पर हस्ताक्षर किए (लैंग्लॉइस , 2012)। इस तरह की सामरिक पहलों को हाल के वर्षों में चीन द्वारा चुने गए 'चेकबुक डिप्लोमेसी' के एक भाग के रूप में देखा जाता है। 2012 में, चीन ने मर्कोसुर (बीबीसी , 2012) के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते का भी प्रस्ताव किया।

मर्कोसुर - यूरोपीय संघ

यूरोपीय संघ (यूरोपीय संघ) व्यापारिक वस्तुओं में मर्कोसुर का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है,हालांकि, यह 2001 की तुलना में 2011 में मर्कोसुर के कुल वाणिज्यिक-वस्तु व्यापार में कम हिस्सेदारी कम रही है। यूरोपीय संघ मर्कोसुर के सबसे बड़े निर्यात बाजार के रूप में उभरा है। यूरोपीय संघ के लिए उत्पाद निर्यात 2001 और 2011 के बीच तीन गुना से अधिक है। हालांकि ,यूरोपीय संघ ने 2011 में मर्कोसुर के कुल वस्तु निर्यात में 19% की हिस्सेदारी रखी जो कि,2001 में 24% से नीचे है। इसी प्रकार,कुल व्यापारिक आयातों में मर्कोसुर से यूरोपीय संघ की हिस्सेदारी 2001 और 2011 के बीच 26% से 19% तक गिर गई। हालांकि,यूरोपीय संघ मर्कोसुर में वाणिज्यिक-वस्तु व्यापार मेंसबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना हुआ है।

यूरोपीय संघ ने अपनी लैटिन अमेरिका रणनीति के एक हिस्से के रूप में मर्कोसुर (यूरोपीय आयोग , 2007) की आर्थिक एकीकरण प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया है। 1995 में हस्ताक्षरित यूरोपीय संघ-मर्कोसुर फ्रेमवर्क सहयोग समझौते ने मर्कोसुरकी एकीकरण प्रक्रिया को समर्थन प्रदान किया। दोनों क्षेत्रों ने 1999 में रियो शिखर सम्मेलन में सामरिक द्वि-क्षेत्रीय संबंधों के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करके अपने रिश्ते को मजबूत किया। वर्तमान में,दोनों क्षेत्र एक व्यापक व्यापार समझौते (यूरोपीय आयोग,2012) के लिए वार्ता में शामिल हैं। इस तरह की पहल से दोनों क्षेत्रों के बीच निरंतर व्यापार संबंध बने हुए हैं।

मर्कोसुर - उत्तरी अमेरिका

हालांकि, मर्कोसुर से उत्तरी अमेरिका में सामान का निर्यात 2001 और 2011 के बीच लगभग दोगुना हो गया है,लेकिन मर्कोसुर से निर्यात यूरोपीय संघ,चीन या अंर्त-मर्कोसुर में वृद्धि की तुलना में इस निर्यात की मात्रा में वृद्धि बहुत कम है। इन व्यापार भागीदारों की तुलना में उत्तरी अमेरिका से वस्तु आयात की मात्रा में वृद्धि भी कम रही है। हालांकि,निर्यात की तुलना में आयात उच्च गति से बढ़ा है।

उत्तरी अमेरिका, मर्कोसुर का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है,लेकिन क्षेत्र के कुल वाणिज्यिक-वस्तु व्यापार में इसकी संबंधित हिस्सेदारी 2001 में 24% से घटकर 2011 में 14% हो गई है। इससे मर्कोसुर के व्यापारिक निर्यात बाजारों में एक बढ़ी हुई विविधता का पता चलता है और उत्तरी अमेरिका की निर्भरता में भी कमी आई है। मर्कोसुर और संयुक्त राज्य अमेरिका (सैंगुनेट्टी एवं बियांची,2002) के बीच व्यापार वार्ता में कृषि निर्यात और पूंजीगत सामान आयातों का व्यवहार एक बाधा बन गया है।

मर्कोसुर ने एक विशेष साथी पर अपनी निर्भरता को कम करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों (यूरोपीय आयोग, 2007) के साथ अपने व्यापार में विविधता लाने की मांग की है। इसने अमेरिका द्वारा पश्चिमी गोलार्ध के विस्तृत मुक्त व्यापार क्षेत्र (विश्वनाथन आर ., 2012) के लिए मुक्त व्यापार क्षेत्र (एफटीएए) का विरोध किया है। जुलाई 2012 में वेनेजुएला का उपयोग मर्कोसुर की ऐसी स्थिति को मजबूत करता है। इसने

दक्षिण-दक्षिण व्यवस्थाओं में भी प्रवेश किया और लैटिन अमेरिकी देशों बोलीविया , कोलंबिया, इक्वाडोर, पेरू और चिली को सहयोगी सदस्य का दर्जा दिया।

3. मर्कोसुरः सेवाओं का व्यापार

यह खंड 2001 और 2011 के बीच मर्कोसुर के प्रत्येक सदस्य देश के वाणिज्यिक सेवाओं के व्यापार के रुझान पर इसकी तुलना मर्कोसुर के कुल वाणिज्यिक सेवाओं के व्यापार में रुझान (सेवाओं के व्यापार के आंकड़ों के लिए अनुबंध ङ का संदर्भ) विचार करता है। मर्कोसुर का कुल वाणिज्यिक सेवा व्यापार 2001 और 2011 के बीच दस वर्षों में तीन गुना हो गया। निर्यात के साथ-साथ सभी सदस्य देशों का आयात इस समय के दौरान निरपेक्ष रूप से बढ़ा है। उस समय जबकि कुल व्यापार में वृद्धि हुई है लेकिन एक देश,ब्राजील,ने मर्कोसुर के कुल व्यापार में अपने भाग को घटते देखा है।

ब्राजील

2011 तक,ब्राज़ील मर्कोसुर के कुल वाणिज्यिक सेवाओं के व्यापार का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा है और वाणिज्यिक सेवाओं का शुद्ध आयातक है। यह मर्कोसुरके कुल वाणिज्यिक सेवाओं के आयात का 80% और मर्कोसुरके कुल वाणिज्यिक सेवाओं के निर्यात का 66% है। 2011 में, 73 बिलियन अमेरिकी डॉलर वाणिज्यिक सेवाओं के आयात, 19.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर अथवा 27.26%संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसटीआर, उपरोक्त) से था।

अर्जेन्टीना

अर्जेंटीना की सेवाओं का आयात दोगुना होकर 8 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 16 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है , जबकि इसकी सेवाओं का निर्यात उसी समय के दौरान 4.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 14 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है। हालांकि, मर्कोसुर के कुल वाणिज्यिक सेवा व्यापार में इसकी हिस्सेदारी 2001 से 2011 के बीच 32% से घटकर 20% हो गई है क्योंकि ब्राज़ील की सेवाओं का व्यापार बहुत तेज़ दर से बढ़ा है।

पैराग्वे एवं ऊरुग्वे

2001 और 2011 के बीच,पैराग्वे की कुल वाणिज्यिक सेवाओं का व्यापार 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। हालांकि ,मर्कोसुर के कुल वाणिज्यिक सेवा व्यापार में इसका हिस्सा 2011 में 2.2% से 2001 में 1.8% तक गिर गया था। उरुग्वे ने भी इसी अवधि के दौरान अपनी समान हिस्सेदारी को 5% से 4% पर गिरते हुए देखा। इस प्रकार,दोनों देशों,ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे अपने बड़े समकक्षों की तुलना में अपने छोटे सापेक्ष आकार को देखते हुए,मर्कोसुर के अंतर्राष्ट्रीय सेवा व्यापार में सीमांत खिलाड़ी बने रहे।

4. मर्कोसुर एवं भारत

2009 का मर्कोसुर तथा भारत प्राथमिकता व्यापार समझौता

मर्कोसुर और भारत के बीच अधिमान्य व्यापार समझौता (पीटीए) 01 जून,2009 को लागू हुआ। 25 जनवरी,2004 को हस्ताक्षरित पीटीएका उद्देश्य,दोनों क्षेत्रों के बीच मौजूदा संबंधों को मजबूत करना और

पारस्परिक निर्धारित टैरिफ प्राथमिकताएं प्रदान करके व्यापार के विस्तार को बढ़ावा देना था। अंतिम उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच एक मुक्त व्यापार क्षेत्र (एफटीए) बनाना है। पीटीए को संचालित करने के लिए दोनों पक्षों के बीच छह दौर की वार्ता हुई। इन वार्ताओं के परिणामस्वरूप 5 एनेक्स को अंतिम रूप दिया गया। इन पूरक अंशों को संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है (पूरक अंश से लिंक के लिए फुटनोट देखें) (वाणिज्य मंत्रालय , भारत सरकार):

अनुलग्नक 1: यह भारत के लिए मर्कोसुर की प्रस्तावित सूची थी जिसमें 452 भारतीय उत्पादों के आयात पर दरों में कटौती की गई थी। इस प्रस्ताव सूची में शामिल प्रमुख उत्पाद खाद्य तैयारी,कार्बनिक रसायन,फार्मास्यूटिकल्स,आवश्यक तेल,प्लास्टिक और लेख,रबर और रबर उत्पाद,उपकरण और औजार,मशीनरी वस्तुएं,विद्युत मशीनरी और उपकरण शामिल थे।

अनुलग्नक 2: यह मर्कोसुरके 450 उत्पादों पर शुल्क रियायतों के लिए मर्कोसुर को भारत की प्रस्ताव सूची थी। इस सूची में शामिल प्रमुख उत्पादों में मांस और मांस उत्पाद,जैविक और अकार्बनिक रसायन,रंजक और पिगमेंट,कच्चे खाल और खाल,चमड़े के लेख,ऊन,सूती धागे,कांच और कांच के बने पदार्थ,लोहा और इस्पात के लेख,मशीनरी के सामान,इलेक्ट्रिकल मशीनरी थे और उपकरण,ऑप्टिकल,फोटोग्राफिक और सिनेमैटोग्राफिक उपकरण थे।

अनुलग्नक 3: इस अनुलग्नक में उत्पत्ति के नियमों के बारे में विवरण था। उत्पत्ति के नियमों ने पीटीए के अनुसार शुल्क छूटों को लागू करने के उद्देश्य से अपने देश की उत्पत्ति के संदर्भ में व्यापार के सामान और सेवाओं के उपचार को निर्दिष्ट किया।

अनुलग्नक 4: इस अनुलग्नक में सुरक्षा उपायों के आवेदन के लिए पार्टियों के अधिकारों और दायित्वों के बारे में विवरण था।

अनुलग्नक 5: यह अनुलग्नक पीटीएमें तय की गई शर्तों के उल्लंघन के कारण उत्पन्न विवादों के मामले में विवाद निपटान प्रक्रिया पर प्रकाश डाला गया है या डब्ल्यूटीओ में तय किए गए समझौतों के अनुसार विनियमित किया गया है।

भारत - मर्कोसुरः व्यापार मात्रा विश्लेषण

यह खंड वित्तीय वर्ष (वित्त वर्ष) 2000-2001 और 2011-2012 के बीच भारत और मर्कोसुर के बीच वाणिज्यिक-वस्तु व्यापार में प्रवृत्ति का विश्लेषण करता है (भारत के लिए अनुबंध च) (मर्कोसुर व्यापार के आंकड़े देखें)।

यह खंड वित्तीय वर्ष (वित्त वर्ष) 2000-2001 और 2011-2012 के बीच भारत और मर्कोसुर के बीच व्यापारिक व्यापार में रुझान का विश्लेषण करता है (भारत के लिए अनुबंध च मर्कोसुर व्यापार के आंकड़े)इस अवधि के दौरान भारत और मर्कोसुर के मध्य वाणिज्यिक-वस्तु व्यापार में 13 गुना अधिक वृद्धि हुई है। मर्कोसुर को निर्यात 0.36 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 6.45 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ गया है और मर्कोसुर से आयात0.53 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 5.41 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ गया है। हालांकि, व्यापार की यह मात्रा मर्कोसुर एवं अन्य क्षेत्रों जैसे कि उत्तरी अमेरिका, यूरोपीय संघ अथवा चीन के

साथ व्यापार में कमी के कारण हुआ है। व्यापार संबंधों में कमी का एक कारण भारत से लैटिन अमेरिका तक सीधे शिपिंग रास्ते का ना होना भी है। उदाहरणार्थ, ब्राजील से एक उत्पाद को शिपिंग से यूरोप के रास्ते से मुबंई लाने में 27 दिन लग जाते हैं और सिंगापुर के रास्ते लाने पर 36 से भी अधिक दिन (चंडा, पंजा एवं बिस्वास, उक्त)। यह शिपिंग तथा सामान के प्रबंधन के खर्चे को बढ़ा देता है। भारतीय बंदरगाहों पर प्रतिवर्तन समय भी बहुत लगता है। (हांग-कांग/सिंगापुर में 9 घंटे की तुलना में यहाँ पर 24-72 घंटे लगते हैं) (सिंह, 2011)। इस कारण से, खराब माल का परिवहन संभव नहीं है।

ईंधन और खनन उत्पादों,सोया और चीनी जैसी वस्तुओं ने भारत और मर्कोसुर के बीच व्यापार में एक बड़ा हिस्से को साझा किया है। भारत ने 2011 में मर्कोसुर से बिलियन अमेरिकी डॉलर के ईंधन और खनन उत्पादों का आयात किया था। 2010 में रिकॉर्ड 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर सोया तेल दक्षिण अमेरिका से आयात किया गया थाजिसमें से अधिकांश दुनिया के सबसे बड़े सोया तेल निर्यातक देश अर्जेंटीना से आए थे (विश्वनाथन आर.,2011)। 2009 और 2010 में ब्राजील से चीनी का आयात कुल 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। मर्कोसुर के साथ कुल व्यापार का 85% से अधिक के लिए इस क्षंत्र में ब्राज़ील भी भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।

विश्व के साथ भारत के वाणिज्यिक-वस्तु व्यापारकी पूंजीगत वार्षिक विकास दर (सीएजीआर) वित्त वर्ष 2001-2002 और 2008-2009 के बीच 22.88% और वित्त वर्ष 2008-2009 और 2011-2012 के बीच 17.53% थी। मर्कोसुर के साथ भारत के व्यापार से संबंधित आंकड़े 23.46% और 35.11% थे। यह स्पष्ट करता है कि 2008 के वित्तीय संकट के बाद के वर्षों में दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में मर्कोसुर के साथ व्यापार में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। यह भारत के बाहरी व्यापार में क्षेत्रीय विविधीकरण और दक्षिण-दक्षिण व्यापार के महत्व और इसका प्रभाव भारत और मर्कोसुर के बीच पीटीए जो 01 जून , 2009 को लागू हुआ था उस पर प्रकाश डालता है।

भारत-वेनेजुएला: व्यापार विस्तार विश्लेषण

जुलाई 2012 में वेनेजुएला के मर्कोसुर में प्रवेश करने से भारत और मर्कोसुर के बीच व्यापार संबंध 50% से अधिक बढ़ गया है। वित्तीय वर्ष 2007-2008 में दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 0.53 बिलियन अमेरिकी डालर था। 2011-2012 में भारत में वेनेजुएला से आयातित कच्चे तेल की मात्रा में वृद्धि के कारण यह बढ़कर 6.92 बिलियन डॉलर हो गया,क्योंकि भारत ने ईरान (मिश्रा और कल्याणरमन् 2012) पर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण अपने कच्चे तेल की माँग मांग को दूसरी ओर मोड दिया था। 2010-2011 में अमेरिकी डालर 5.34 बिलियन के कुल द्विपक्षीय व्यापार में से,भारत द्वारा कच्चे तेल के आयात में 5.17 बिलियन अमेरिकी डालर शामिल थे। इस प्रकार,भारत का वेनेजुएला के साथ अधिक व्यापार घाटा है।

5. निष्कर्ष

मर्कोसुर ने अपने आविर्भाव से व्यापार संबंधों में उत्तरी अमेरिका, यूरोपीय संघ और हाल में चीन के साथ प्रभावशाली प्रगति की है। यह इसलिए और अधिक महत्वपूर्ण है कि तीन दशक से भी कम समय पहले, दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अर्जेन्टीना और ब्राजील उच्च-महगांई दर, आर्थिक स्थिरता एवं कम उत्पादकता से प्रभावित हो चुकीं थी। इसकी लचीली रूपरेखा ने अपने छोटे सदस्य देशों को एकीकरण प्रक्रिया में समायोजित करने के

लिए अधिक समय की अनुमति दी है।

हालांकि,स्वस्थ गति से एकीकरण प्रक्रिया को जारी रखने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आंतरिक रूप से,मर्कोसुर सदस्य देशों के बीच बार-बार होने वाले विवाद,विशेष रूप से अर्जेंटीना और ब्राजील के बीच,एकीकरण प्रक्रिया के दौरान सदस्य देशों द्वारा सामना की गई घरेलू बाधाओं को उजागर करती हैं। इन विवादों के दीर्घकालिक समाधान की आवश्यकता है। बाह्यतौर से , गिरती विकास दर को संबोधित करने के लिए,मर्कोसुर,विशेष रूप से अर्जेंटीना ने संरक्षणवादी उपायों का सहारा लिया है। हालांकि , ये अल्पावधि में प्रभावी हो सकते हैं,इस तरह के उपाय कम दक्षता,आर्थिक कल्याण को कम करते हैं और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों द्वारा लाभदायक नहीं माने जाते हैं। एक आम बाजार और अंततः एक आर्थिक संघ की ओर अवस्थांतर के लिए,आम उद्देश्यों के लिए सहयोग और एक दृष्टिकोण जो देशों की आर्थिक वास्तविकताओं के बीच संरचनात्मक अंतर को ध्यान में रखता हो, आवश्यक होगा।

पिछले दशक में प्राकृतिक संसाधनों के निर्यात ने आखिरी में मर्कोसुर के सदस्य देशों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्राकृतिक संसाधन परिपूर्ण ये देश वैश्विक आवश्यक मूल्यों में वृद्धि से लाभान्वित हुए हैं। वैश्विक कीमतों में गिरावट अथवा प्रमुख और उभरती अर्थव्यवस्थाओं,विशेष रूप से चीन मेंकम वृद्धि,एकीकरण प्रक्रिया की गतिशीलता को परिवर्तित कर सकती है। बढ़ती आवश्यक वस्तुओं के कीमत स्तर पर कम निर्भरता और परिवर्तन, उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता पर फोकस बढ़ने से निरंतर आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

चीन के साथ मर्कोसुर का संपर्क न केवल बढ़े हुए व्यापार के लिहाज से, बल्कि विदेशी प्रत्यक्ष निवेश और केंद्रीय बैंकों के बीच समन्वय जैसे क्षेत्रों में भी भविष्य में मजबूत सामरिक संबंधों की संभावना का सुझाव देता है। संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ अपेक्षाकृत कम संपर्क ने चीन के साथ इस तरह की साझेदारी को मजबूत किया है। हाल के वर्षों में दक्षिण-दक्षिण व्यापार की बढ़ती प्रासंगिकता को देखते हुए दक्षिण के अन्य देशों के साथ इस तरह की साझेदारी को दोहराया जा सकता है। इस तरह के संपर्क आने वाले वर्षों में बहु-ध्रुवीय विश्व के निर्माण और शक्ति संतुलन के लिए योगदान करेंगे।

मर्कोसुर और भारत अपनी विकास कार्यसूची के साथ-साथ सामाजिक समावेश के प्रति जागरूक क्षेत्र हैं। मर्कोसुर और भारत के लिए पूरक संभावना मौजूद है ताकि द्विपक्षीय पूरक व्यापार को बढ़ाया जा सके। मर्कोसुर सॉफ्टवेयर और दवा उद्योगों में और सोयाबीन और मकई जैसे कृषि उत्पादों के निर्यात में भारत की विश्व स्तरीय क्षमताओं से लाभान्वित होने के लिए जाना जाता है। दूसरी ओर,भारत अपने तेल और अन्य प्राकृतिक संसाधन जरूरतों को मर्कोसुर देशों के साथ भागीदारी करके सुरक्षित कर सकता है। हालांकि,भारत से कुछ सामानों के लिए अर्जेंटीना द्वारा लागू किए गए संरक्षणवादी उपायों जैसे द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में बाधाएं आई हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शक्ति के बदलते संतुलन के साथ,मर्कोसुर जैसे क्षेत्रीय खंडों के साथ भारत का सामरिक सहयोग लंबे समय से रहा है। दोनों क्षेत्रों ने हाल के वर्षों में कई अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर एक एकीकृत रवैया अपनाया है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में दोनों क्षेत्रों के बीच कार्यकारी स्तर के आदान-प्रदान में वृद्धि हुई है वहींसंस्थागत स्तर के आदान-प्रदान और परामर्श यह सुनिश्चित करेंगे कि दोनों पक्ष एक-दूसरे की

अद्वितीय आवश्यकताओं,प्राथमिकताओं और उनके सामने आने वाली सामरिक अनिवार्यता को समझते हैं। भाषा और सांस्कृतिक अंतराल को व्यक्ति-से-व्यक्ति संपर्क से संबोधित किया जाना चाहिए।

पिछले कुछ दशकों में वैश्विक स्तर पर क्षेत्रीयता के उदय को देखते हुए मर्कोसुर को एक क्षेत्रीय व्यापार खंड के रूप में बहुत कुछ हासिल करना है। अमेरिका,यूरोपीय संघ,आसियान और चीन जैसी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं और व्यापार खंडों का आकार और उनके नीतिगत दृष्टिकोण का सामंजस्य उनकी सौदेबाजी की शक्ति का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। इसी तरह , मर्कोसुर के सदस्य देशों के बीच हितों का समेकन और सामरिक साझेदारों के साथ साझा हितों का पीछा करना उनकी वैधता और अंतर्राष्ट्रीय मामलों में उच्च सौदेबाजी की शक्ति का स्रोत होगा। इस प्रकार,यह अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्थाओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए अपनी आर्थिक स्थिति का लाभ उठा सकता है।

HHH

अनुलग्नक क

तालिकाएं - सीईटी के अपवाद तथा मर्कोसुर के व्यापार आंकड़े

तालिका 2: 16 दिसंबर, 2010 को सीईटी को अनुमेय अपवाद

सदस्य देश	अपवादों की सूची के अधीन शुल्क क्रमों की संख्या	अधिकतम तिथि जब तक एक स्वतंत्र बाह्य शुल्क के लिए आवेदन किया जा सकता है
अर्जेन्टीना	100	31 दिसम्बर2015
ब्राजील	100	31 दिसम्बर 2015
पैराग्वे	649	31 दिसम्बर 2019
उरुग्वे	225	31 दिसम्बर 2017

स्रोत: www.mercosur.int

तालिका 3: अंर्त-मर्कोसुर उत्पाद व्यापार

व्यापार प्रवाह	अंर्त-मर्कोसुर निर्यात		अंर्त-मर्कोसुर आयात		कुल अंर्त-मर्कोसुर व्यापार	
मूल्य	अमेरिकी बिलियन	कुल निर्यात में % भाग	अमेरिकी बिलियन	कुल आयात में % भाग	अमेरिकी बिलियन	कुल व्यापार में % भाग
2001	15.18	17%	15.95	19%	31.13	18%
2006	25.80	14%	25.95	19%	53.40	16%
2011	53.79	15%	53.40	16%	107.19	16%

स्रोत: डब्ल्यूटीओ सांख्यिकी डेटाबेस

तालिका 4: विश्व के साथ मर्कोसुर का उत्पाद व्यापार

क्षेत्र	विश्व (बिलियन अमेरिकी डॉलर में)		
वर्ष	**2001**	**2006**	**2011**
निर्यात	87.82	190.25	353.46
आयात	84.20	139.54	333.85
कुल	172.02	329.79	687.31

स्रोत: डब्ल्यूटीओ सांख्यिकी डेटाबेस

अनुलग्नक ख

प्रमुख साझेदारों को मर्कोसुर का व्यापारिक निर्यात

चित्र 1: प्रमुख साझेदारों को मर्कोसुर का व्यापारिक निर्यात (बिलियन अमेरिकी डॉलर में)

(स्रोत: डब्ल्यूटीओ सांख्यिकी डेटाबेस*)*

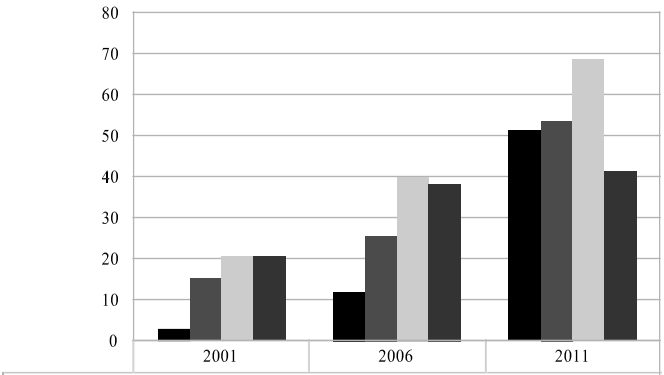

	2001	2006	2011
China	3.14	12.06	51.21
Intra-Mercosure	15.18	25.81	53.79
EU	20.72	40.04	68.81
North America	20.78	38.41	41.26

चित्र 2: मर्कोसुर का प्रमुख साझेदारों को वाणिज्यिक-वस्तु व्यापार(प्रतिशत की मात्रा में) *(स्रोत:* डब्ल्यूटीओ सांख्यिकी डेटाबेस*)*

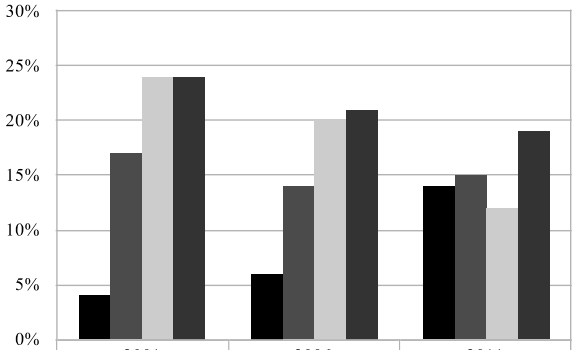

	2001	2006	2011
China	4%	6%	14%
Intra-Mercosure	17%	14%	15%
EU	24%	20%	12%
North America	24%	21%	19%

अनुलग्नक ग

प्रमुख साझेदारों से मर्कोसुर का निर्यात

चित्र 3: प्रमुख साझेदारों से मर्कोसुर का आयात (बिलियन अमेरिकी डॉलर में)

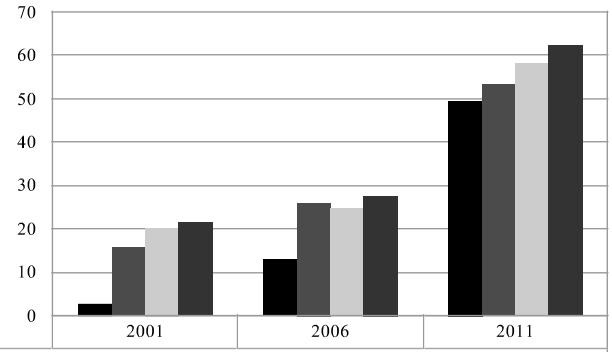

	2001	2006	2011
China	2.84	13.05	49.55
Intra-Mercosure	15.95	25.95	53.4
EU	20.38	24.72	58.13
North America	21.79	27.8	62.48

(स्रोत: डब्ल्यूटीओ सांख्यिकी डेटाबेस)

चित्र 4: प्रमुख भागीदारों से मर्कोसुर का माल आयात (प्रतिशत के संदर्भ में)(*स्रोत:*डब्ल्यूटीओ सांख्यिकी डेटाबेस)

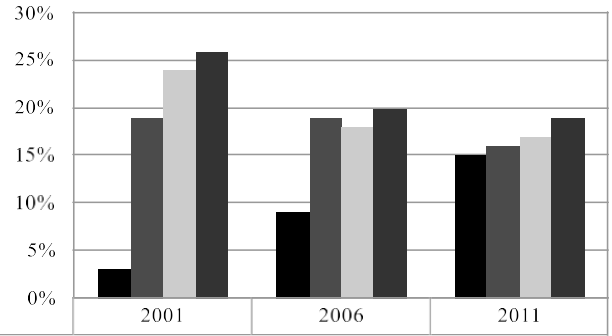

	2001	2006	2011
China	3%	9%	15%
Intra-Mercosure	19%	19%	16%
EU	24%	18%	17%
North America	26%	20%	19%

अनुलग्नक घ

प्रमुख साझेदारों के साथ मर्कोसुर का वाणिज्य-वस्तु व्यापार

चित्र 5: प्रमुख साझेदारों के साथ वाणिज्य-वस्तु व्यापार (अमेरिकी बिलियन डॉलर में) *(स्रोत: डब्ल्यूटीओ सांख्यिकीय डेटाबेस)*

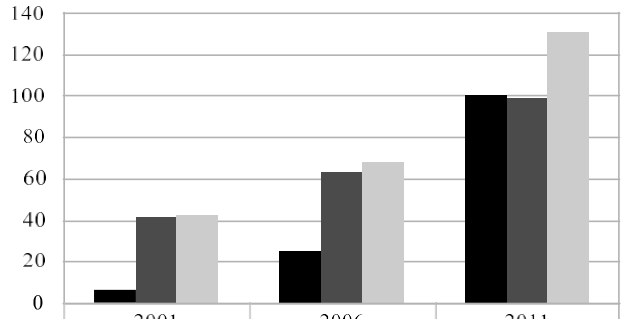

	2001	2006	2011
China	5.98	25.1	100.67
EU	41.16	63.13	99.39
North America	42.5	67.84	131.29

चित्र 6: प्रमुख साझेदारों के साथ वाणिज्य-वस्तु व्यापार (प्रतिशत आधार पर) *(स्रोत: डब्ल्यूटीओ सांख्यिकीय डेटाबेस)*

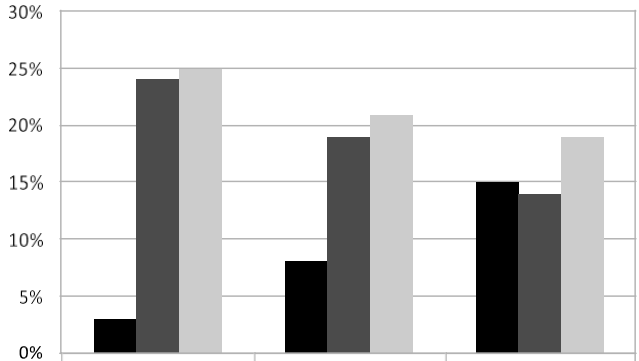

	2001	2006	2011
China	3%	8%	15%
EU	24%	19%	14%
North America	25%	21%	19%

अनुलग्नक ङ

मर्कोसुर के सेवा व्यापार आंकड़े

तालिका 5: मर्कोसुर के सदस्य देशों के द्वारा कुल वाणिज्यिक सेवाओं का व्यापार

मर्कासुर का कुल वाणिज्यिक सेवाओं का व्यापार	बिलियन अमेरिकी डॉलर में			सदस्य देशों का हिस्सा (प्रतिशतता आधार पर)		
वर्ष	**2001**	**2006**	**2011**	**2001**	**2006**	**2011**
अर्जेन्टीना	13	16	30	32%	25%	20%
ब्राजील	25	45	110	61%	70%	74%
पैराग्वे	1	1	3	2.2%	1.7%	1.8%
उरुग्वे	2	2	5	5%	4%	4%
कुल	**40**	**65**	**148**	**100%**	**100%**	**100%**

स्रोत: डब्ल्यूटीओ सांख्यिकीय डेटाबेस।

तालिका 6: सदस्य देशों द्वारा वाणिज्यिक सेवाओं का निर्यात

मर्कोसुर का वाणिज्यिक सेवाओं का निर्यात	बिलियन अमेरिकी डॉलर में			सदस्य देशों का हिस्सा (प्रतिशतता आधार पर)		
वर्ष	**2001**	**2006**	**2011**	**2001**	**2006**	**2011**
अर्जेन्टीना	4.5	7.9	14.0	30%	28%	25%
ब्राजील	8.7	17.9	36.7	59%	64%	66%
पैराग्वे	0.5	0.7	1.8	4%	3%	3%
उरुग्वे	1.1	1.4	3.4	7%	5%	6%
कुल	**14.8**	**27.9**	**55.8**	**100%**	**100%**	**100%**

स्रोत: डब्ल्यूटीओ सांख्यिकीय डेटाबेस।

तालिका 7: सदस्य देशों के मर्कोसुर का वाणिज्यिक सेवाओं का आयात

मर्कोसुर से वाणिज्यिक सेवाओं का आयात	बिलियन अमेरिकी डॉलर में			सदस्य देशों का हिस्सा (प्रतिशतता आधार पर)		
वर्ष	**2001**	**2006**	**2011**	**2001**	**2006**	**2011**
अर्जेन्टीना	8	8	16	33%	22%	17%
ब्राजील	16	27	73	63%	74%	80%
पैराग्वे	0.4	0.4	0.9	1.4%	1.0%	0.9%
उरुग्वे	1	1	2	3%	3%	2%
कुल	**25**	**37**	**92**	**100%**	**100%**	**100%**

स्रोत: डब्ल्यूटीओ सांख्यिकीय डेटाबेस।

अनुलग्नक च

मर्कोसुर के साथ भारत का वाणिज्य-वस्तु व्यापार

तालिका 8: मर्कोसुर के साथ भारत का वाणिज्य-वस्तु व्यापार (बिलियन अमेरिकी डॉलर में)

वर्ष	**2000-01**	**2008-09**	**2011-12**
निर्यात	0.36	3.11	6.45
आयात	0.53	1.70	5.41
कुल व्यापार	**0.89**	**4.81**	**11.86**

स्रोत: विदेश मंत्रालय, भारत सरकार।

चित्र 7: मर्कोसुर एवं विश्व के साथ भारत के वाणिज्य-वस्तु व्यापार में पूंजीकृत वार्षिक वृद्धि दर

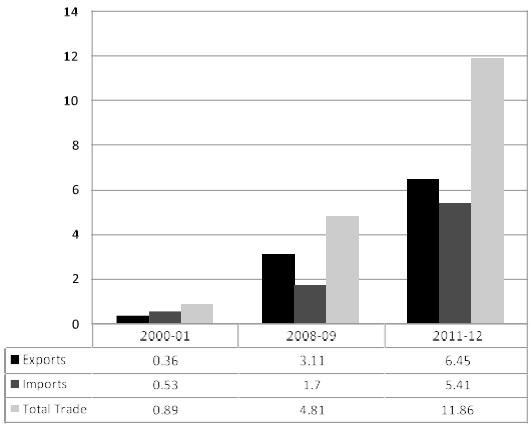

स्रोत: विदेश मंत्रालय, भारत सरकार।

तालिका 9: मर्कोसुर के वाणिज्यिक-वस्तु व्यापार में भारत का भाग

वर्ष	**2001**	**2006**	**2011**
भारत को मर्कोसुर का व्यापारिक निर्यात/ मर्कोसुर का कुल निर्यात	0.86%	0.98%	1.23%
मर्कोसुर को भारत से आयात/ मर्कोसुर का कुल आयात	0.90%	1.36%	2.14%
भारत का कुल व्यापार/मर्कोसुर का कुल व्यापार	0.88%	1.14%	1.67%

स्रोत: डब्ल्यूटीओ सांख्यिकी डेटाबेस

तालिका10: मर्कोसुर सदस्य देशों को भारत का व्यापारिक निर्यात: वित्तीय वर्ष2000-01 से 2011-12

देश	सीएजीआर	सीएजीआर	सीएजीआर
अर्जेन्टीना	15.45	17.40	10.38
ब्राजील	34.41	36.27	29.58
पैराग्वे	21.01	21.50	19.71
उरुग्वे	13.32	7.95	28.99
मर्कोसुर	29.86	30.73	27.56

स्रोत: विदेश मंत्रालय, भारत सरकार।

तालिका 11: मर्कोसुर सदस्य देशों से भारत का उत्पाद आयात: 2000-01 से 2011-12

देश	सीएजीआर	सीएजीआर	सीएजीआर
अर्जेन्टीना	9.68	3.44	28.24
ब्राजील	36.36	30.34	53.81
पैराग्वे	31.98	0.90	170.11
उरुग्वे	23.91	22.58	27.53
मर्कोसुर	23.59	15.78	47.08

स्रोत: विदेश मंत्रालय, भारत सरकार।

तालिका 12: मर्कोसुर सदस्य देशों के साथ भारत का उत्पाद व्यापार: वित्तीय वर्ष 2000-01 से 2011-12

देश	सीएजीआर-वित्तीय वर्ष 2000-2001 से 2011-2012	सीएजीआर-वित्तीय वर्ष 2000-2001 से 2008-2009	सीएजीआर-वित्तीय वर्ष 2008-09 से 2011-2012
अर्जेन्टीन	11.12	7.47	21.49
ब्राजील	35.20	34.17	38.00
पैराग्वे	22.05	20.76	25.55
उरुग्वे	14.55	9.65	28.72
मर्कोसुर	26.53	23.46	35.11

स्रोत: विदेश मंत्रालय, भारत सरकार।

समाप्ति टिप्पणी

1. लिंकेज आपूर्तिकर्ताओं , वितरकों या ग्राहकों के साथ बनाए गए आर्थिक संबंधों के नेटवर्क हैं(स्रोत:www.businessdictionary. com)
2. सुरक्षा की प्रभावी दर प्रत्येक उद्योग में उत्पादन की प्रति इकाई वर्धित मूल्य पर पूरे टैरिफ ढांचे के प्रतिशत प्रभाव को मापता है(स्रोत:ux1.eiu.edu)
3. पराना नदी का स्रोत ब्राजील में स्थित है। यह ब्राजील और पैराग्वे और पैराग्वे और अर्जेंटीना के बीच डाउनस्ट्रीम के बीच की सीमा को चिह्नित करता है।
4. कोई विकल्प नहीं है (टीना के रूप में छोटा) एक नारा है जो मार्गरेट थैचर , ब्रिटेन के रूढ़िवादी प्रधानमंत्री अक्सर इस्तेमाल किया गया था । अर्थशास्त्र , राजनीति और राजनीतिक अर्थव्यवस्था में , "कोई विकल्प नहीं है" आर्थिक उदारवाद का पर्याय है यानी मुक्त बाजार व्यापार आर्थिक गतिविधियों को व्यवस्थित करने का सबसे अच्छा तरीका है
5. पूर्वोक्त
6. स्रोत: आईडीबी, आईएमएफ और सीआईए वर्ल्ड फैक्टबुक
7. पूर्वोक्त
8. पूर्वोक्त
9. पूर्वोक्त
10. कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका और मेक्सिको
11. (स्रोत: डब्ल्यूटीओ सांख्यिकी डेटाबेस)
12. (स्रोत: डब्ल्यूटीओ सांख्यिकी डेटाबेस)
13. पूर्वोक्त
14. पूर्वोक्त
15. पूर्वोक्त
16. सुरक्षा उपायों का उद्देश्य किसी विशेष घरेलू उद्योग की रक्षा करना है जब कुछ उत्पादों के आयात के कारण उस घरेलू उद्योग को गंभीर चोट पहुंचाने या धमकाने की धमकी दी जाती है जो इसी तरह के उत्पादों का उत्पादन करता है।
17. स्रोत: डब्ल्यूटीओ सांख्यिकी डेटाबेस
18. पूर्वोक्त

ग्रंथसूची

आरेंसेल एक्सट नौं कोमुन. 2009, अगस्त 31, http://www.mercosur.int/t_ligaenmarco.jsp?title=off&contentid=289&site=1&channel=secretaria&back=yesसे 11 अक्तूबर 2012 को मर्कोसुर से पुनर्प्राप्ति.

एसोसिएटेड प्रेस (2012, जून 22). पैराग्वेसप्रेजिडेंटफर्नांडोलोगोओस्टेडफ्रॉमऑफिस. *द गार्जियन* , पृष्ठ http://www.guardian.co.uk/world/2012/jun/22/paraguay-fernando-lugo-ousted.से पुनर्प्राप्ति.

बायर, डब्ल्यू, और सिल्वा , पी.(2012,मई30).*मर्कोसुल : इट्स सक्सेसेसएंडफेलियर्स डयूरिंग इट्स फर्स्टटूडिकेड्स*http://www.iadb.org/intal/intalcdi/ PE/2012/07055a15.pdfसे 18 अक्तूबर, 2012 को इंटर अमेरिकन डेवलपमेंट बैंक से पुनर्प्राप्ति.

बेली, एम, और स्टेकर , एच (एन.डी.) .*दब्राज़ीलियनइकोनॉमिकक्राइसिस.*http://www.twnside.org.sg/title/brazil-cn.htmसे 11 अक्तूबर, 2012 को थर्ड वर्ल्ड नेटवर्क से पुनर्प्राप्ति.

बीबीसी. (2012, जून 27).*चाइनाप्रोपोसेस10 बिलियन अमेरिकी डॉलर लोनफॉरलैटिनअमेरिकाकन्ट्रीज*http://www.bbc. co.uk/news/business-18605450से 26 सितम्बर , 2012 को बीबीसी से पुनर्प्राप्ति.

बीबीसी. (2012, जून 29).*मर्कोसुरसस्पेन्डसपैराग्वेओवरलुगोइम्पीचमेंट.* http://www. bbc.co.uk/news/world-latin-america-18636201से 17 अक्तूबर, 2012 को बीबीसी से पुनर्प्राप्ति

बेओले, के.(2012,अगस्त02).वेनेज़ुएला: लगालिटीऑफवेनेज़ुएलामर्कोसुरमेम्बरशिपक्वेस्चन्ड *दअर्जेंटीनाइंडिपेंडेंट*, पृष्ठ http://www.argentinaindependent.com/currentaffairs/venezuela- legality-of-venezuela-mercosur-membership-questioned/.से पुनर्प्राप्ति

बोहारा, ए के. , गवांडे, के. और संगयूनेट्टी , पी.(2004).ट्रेडडायवर्सनएंडडेक्लिनिंगटैरिफ्स: एविडेंसफ्रॉममर्कोसुर.*जर्नल ऑफ इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स*,65-88.

कैरोल, आर, औरब्रैनिगन, टी(2011, फरवरी 14). *चाइनाप्लान्सकोलोम्बियनरेललिंकटू चैलेंजपनामाकैनल.* http://www.guardian.co.uk/world/2011/feb/14/ china-rail-link-challenge-panama-canalसे 06 अक्तूबर, 2012 को *द गार्जियन* से पुनर्प्राप्ति.

कैसन, जे डब्ल्यू.(2011). *दपॉलिटिकलइकोनॉमीऑफइंटीग्रेशन.*ऑक्सन: रूटलेज

कैसन, जे डब्ल्यू.(2011). *दपॉलिटिकलइकोनॉमीऑफइंटीग्रेशन.*अबिंगडन, ऑक्सन: रूटलेज

चंदा, आर., पांजा, डी., और बिस्वास , एस (एन.डी.) .*इंडिया-लैटिनअमेरिकाट्रेडरिलेशनशिप.*http://tejas-iimb.org/articles/102.phpसे 27 सितम्बर, 2012 को तेजस@आईआईएमबीसे पुनर्प्राप्ति.

एल ट्रिबुनो .(2012, जुलाई 25).वाईपीएफ सेरा सोसिया डी ऊना रिका पेट्रोलेरा डी वेनेजुएला .*एल ट्रिबुनो*., पृष्ठhttp://www.eltribuno.info/salta/182998-YPF-sera-socia-de-una-rica-petrolera-de-Venezuela.note.aspx.से 10 अक्तूबर, 2012 को पुनर्प्राप्ति.

यूरोपीय आयोग .(2007, अगस्त 02).*मर्कोसुररीजनलस्ट्रेटेजीपेपर 2007-2013.*

http://eeas.europa.eu/mercosur/ rsp/07_13_en.pdfसे 26 सितम्बर , 2012 को यूरोपियन यूनियन एक्सटर्नल एक्शनसे पुनर्प्राप्ति.

गोमेज़-मेरा, एल (एन.डी.) .*डोमेस्टिककंस्ट्रेंट्सऑन रीजनलकोऑपरेशन : एक्सप्लेनिंगट्रेडकलिक्ट इनमर्कोसुर .* http://www.as.miami.edu/international-studies/pdf/Gomez-Mera%20RIPE%20ART.pdfसे 09 नवम्बर, 2012 को मियामी विश्वविद्यालय से पुनर्प्राप्ति.

हेयरन, के.(2012, जनवरी 19).*चाइनागेट्सजम्प ऑन यू.एस. फॉरब्राज़ील्स ऑयल* http:// www.washingtontimes.com/news/2012/jan/19/china-gets-jump-on- us-for-brazils-oil/?page=allसे 06अक्तूबर, 2012 को द वाशिंगटन टाईम्स से पुनर्प्राप्ति.

इंटरनेशनल डेमोक्रेसी वॉच . (एन.डी.).*मर्कोसुर.* http://www. internationaldemocracywatch.org/index.php/mercosurसे 18 सितम्बर, 2012 को इंटरनेशनल डेमोक्रेसी वॉच से पुनर्प्राप्ति.

इश्माएल, ओ.(2012, सितम्बर 17).*उनासुरअप्लाइज़"डेमोक्रेसीक्लॉज़"ऑन पैराग्वे.* http://www.coha.org/unasur-applies-democracy- clause-on-paraguay/से 17 अक्तूबर, 2012 को कौंसिल ऑन हेमीस्फेरिकअफेयर्ससे पुनर्प्राप्ति.

जुआरेज-डेप्पे, पी.(2010, अक्तूबर 08).*वैनशुगररुलद : इकोनॉमीएंडसोसाइटीइननॉर्थवेस्टर्नअर्जेंटीना, तुकुमान,1876-1916.* http://eh.net/ book_reviews/when-sugar-ruled-economy-and-society-northwestern- argentina-tucum%C3%A1n-1876-1916से 09 नवम्बर, 2012 को इकोनॉमिकहिस्ट्रीएसोसिएशनसे पुनर्प्राप्ति.

क्लोनस्की, जे., हनसन, एस., और ली, बी. (2012, जुलाई 31).*मर्कोसुर: साउथअमेरिकाफ़्रेक्शियसट्रेडब्लॉक.* www.cfr.org/trade/mercosur-south- americas-fractious-trade-bloc/p12762से 18 सितम्बर, 2012 को कॉउंसिलऑन फॉरेनरिलेशन्स से पुनर्प्राप्ति.

कोलेस्की, के.(2011, मई 27).*बैकग्राउंडर: चाइना इन लैटिन अमेरिका* . http://www.uscc.gov/Backgrounder_ China_in_Latin_America.pdfसे 25 सितम्बर, 2012 को यू.एस.-चीन इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिवयू कमीशन से पुनर्प्राप्ति.

केपीएमजी.(2012,जुलाई31).*नोवेदडेस लीगल्स.*http://www.kpmg.com/Global/en/IssuesAndInsights/ArticlesPublications/taxnewsflash/Documents/venezuela-august9- 2012.pdfसे 12 सितम्बर, 2012 को केपीएमजी से पुनर्प्राप्ति.

केपीएमजी. (2012, जुलाई 31).*वेनेजुएला एसई इनकॉर्पो कोमो मिब्रो प्लेनो डेल मर्कोसुर* . http://www.kpmg.com/Global/en/IssuesAndInsights/ArticlesPublications/taxnewsflash/Documents/venezuela-august9-2012.pdfसे 12 सितम्बर, 2012 को केपीएमजी से पुनर्प्राप्ति.

लार्ड,एस. (1997, मई 23).*मर्कोसुर: ओब्जेक्टिवेसएंडअचीवमेंट्स.* http:// www.wto.org/english/res_e/reser_e/ptpr9702.pdfसे 1 2 सितम्बर, 2012 को वर्ल्डट्रेडऑर्गेनाइजेशन से पुनर्प्राप्ति.

लैंगलोइस,जे.(2012,जून22).*ब्राज़ील, चीनसाइन $30 बिलियनकरेंसीस्वैपएग्रीमेंट*.http://www.globalpost.com/dispatch/news/business/emerging-markets/120622/brazil-china-sign-30-billion-currency-swap-agreementसे 26 सितम्बर, 2012 को ग्लोबल पोस्ट से पुनर्प्राप्ति.

मंजेट्टी,एल. (1993). द पॉलिटिकल इकोनॉमी ऑफ मर्कोसुर . *जर्नल ऑफ इंटरअमेरिकन स्टडीज एंड वर्ल्ड अफेयर्स*, 110-111.

मर्कोप्रेस.(2012,जून30).*मर्कोसुरडबल्सलिस्टऑफगुड्स दैट कैनहैवटैरिफ्स रेस्ड यूनिलैट्रली35% बाय ईच मेंबर*. http://en.mercopress.com/2012/06/30/mercosur-doubles-list-of-goods-that-can-have-tariffs-raised- unilaterally-35-by-each-memberसे 11 अक्तूबर, 2012 को मर्कोप्रेस से पुनर्प्राप्ति.

मर्कोप्रेस. (2012, मई 28).*मर्कोसुररेजिस मैक्सिममअलाउड टैरिफ , 35% ऑन 100 इम्पोर्टेडगुड्स, सेयस ब्राज़ील*.http://en.mercopress.com/2012/05/28/mercosur- raises-maximum-allowed-tariff-35-on-100-imported-goods-says- brazilसे 11 अक्तूबर, 2012 को मर्कोप्रेस से पुनर्प्राप्ति.

मर्कोप्रेस.(2012,जून25).*पैराग्वेसस्पेंडेडफ्रॉममर्कोसुरसम्मिटव्हिचबेगिंसमंडे*.http://en.mercopress.com/2012/06/25/paraguay-suspended-from-mercosur-summit-which-begins-mondayसे 06अक्तूबर, 2012 को मर्कोप्रेस से पुनर्प्राप्ति.

वाणिज्य मंत्रालय , भारत सरकार . (एन.डी.).*इण्डिया-मर्कोसुर पीटीए* . http:// commerce.nic.in/Iac/india_mercosur_pta.htmसे 06 अक्तूबर, 2012 को वाणिज्यऔर उद्योग मंत्रालय, भारत सरकारसे पुनर्प्राप्ति.

मिश्रा, आर, और कल्याणरमन , ए.(2012,अगस्त21).वेनेज़ुएला, नाइजीरियाइंडइम्पोर्टेन्टप्लेसइनइंडियनक्रूडऑयलबास्केट.http://www.thehindubusinessline.com/companies/article2379308.ece.से 27 सितम्बर, 2012 को *द हिन्दू बिजनेस लाईन* से पुनर्प्राप्ति.

ओएल्सनर, ए.(2012).एक ही सिक्के के दो पक्ष: अर्जेंटीना और ब्राजील के मामले में पारस्परिक धारणाएं और सुरक्षा समुदाय. एफ लॉर्सन में(एड.), *कम्पेरेटिवरीजनलइंटीग्रेशन*(पृष्ठ 198).फारनहैम, सरे: एशगेट.

पेलुफो, जी, और इग्नासियो,जे.(2004). *ला इनसेरसिओन डेल मर्कोसुर अल मुंडो ग्लोबलिज़ाडो (वर्किंग पेपर-एसआईटीआई -06बी)*.http://books.google.co.in/books?id=uFI8lqOmEQ4C&pg=PA8&lpg=PA8&dq=political+rapprochement+between+Brazil+and+Argentina&source=bl&ots=13Al3GrQJA&sig=235ACtciXzBQFdxk_cqtSfblRA&hl=en#v=onepage&q=political%20rapprochement%20between%20Brazil%2से 22 अक्तूबर, 2012 को गुगल बुक्स से पुनर्प्राप्ति.

प्लेसक,के.(2012,फरवरी18).*दडेमोक्रेटिक पीस थ्योरी* .http://www.e-ir.info/2012/02/18/the- democratic-peace-theory/से 18अक्तूबर, 2012 को पुनर्प्राप्ति.

प्लंमर, आर(2012, सितम्बर 17). *प्रोटेक्शनिज़्म: इज इट ऑन द वे बैक ?*. http://www.bbc.co.uk/news/

business-18104024से 11अक्तूबर, 2012 को बीबीसी से पुनर्प्राप्ति.

प्रोटोटोटो डी उशुइया .(1998). Retrieved November 08, 2012, from Mercosur: http://www.google.co.in/url?sa=t&rct=j&q=&esrc=s&source=web&cd=1&cad=rja&ved=0CB8QFjAA&url=http%3A%2F%2Fwww.mercosur.int%2Fmsweb%2Fportal%2520intermediario%2Fes%2Farquivos%2Fdestacado4_es.doc&ei=QjibULy7E8yqrAfSxoGQCg&usg=AFQjCNFhgmXhKv0O_P81q_tC3Phhryjv9से 08नवम्बर, 2012 को मर्कोसुर से पुनर्प्राप्ति.

रेईस, जे.ए, और सॉयर, डब्ल्यू सी(2011). *लैटिनअमेरिकनइकोनॉमिकडेवलपमेंट.* ऑक्सन: रूटलेज.

सांगुनेट्टी, पी, और बियांची, ई(2002, जुलाई 10). *इम्प्रोविंगदएक्सेसऑफमर्कोसुरएग्रीकल्चरएक्सपोर्ट्सटू यूएस : लेसंसफ्रॉमएनएएफटीए.*http://ctrc. sice.oas.org/geograph/north/sa_bi.pdfसे 0 3अक्तूबर, 2012 को कैरेबियन ट्रेड रेफरेन्ससेंटर से पुनर्प्राप्ति.

सिंह, आर. के. (2011, अक्तूबर 14).केस फॉर मोर ट्रेड विथ मर्कोसुर . http://www.thehindubusinessline.com/opinion/article2537963.ece.से 27 सितम्बर, 2012 को *द हिन्दू बिजनेस लाईन* से पुनर्प्राप्ति.

श्रीहर्ष, वी.(2012, जुलाई 09).*ब्राज़ीलहेल्प्सवेनेज़ुएलाजॉइनरीजनलट्रेडब्लॉक्समर्कोसुर, बटनॉटविथाउटरफलिंगफैथेर्स.* http://www.mcclatchydc.com/2012/07/09/155485/brazil-helps-venezuela-join-regional.htmlसे 10अक्तूबर, 2012 कोमकक्लेट्ची से पुनर्प्राप्ति.

ट्रेडरेगुलेशंस, कस्टम्स, एंडस्टैंडर्ड्स. (2012, 07 18).http://export.gov/argentina/doingbusinessinargentina/argentinacountrycommercialguide/traderegulationsandstandards/index.aspसे 12अक्तूबर, 2012 कोexport.govसे पुनर्प्राप्ति.

ट्रीटीऑफअसुन्सिओन. (1991, मार्च 26).http://idatd.eclac.cl/controversias/Normativas/MERCOSUR/Ingles/Treaty_of_Asuncion.pdfसे 18सितम्बर, 2012 कोइकोनॉमिककमिशनफॉरलैटिनअमेरिकाएंडद कैरीबीयनसे पुनर्प्राप्ति.

यूएसटीआर. (एन.डी.).अर्जेंटीना. http://www.ustr.gov/sites/default/ iles/Argentina_0.pdfसे 11अक्तूबर, 2012कोऑफिसऑफदयूनाइटेडस्टेट्सट्रेडरिप्रेजेन्टेटिव से पुनर्प्राप्ति.

यूएसटीआर. (एन.डी.).ब्राज़ील. http://www.ustr.gov/countries- regions/americas/brazilसे 03अक्तूबर, 2012कोऑफिसऑफदयूनाइटेडस्टेट्सट्रेडरिप्रेजेन्टेटिव से पुनर्प्राप्ति.

विक्टर, डी.ए. (एन.डी.).मर्कोसुर. http://www.referenceforbusiness.com/ encyclopedia/Man-Mix/Mercosur.html#bसे 27सितम्बर, 2012कोरेफरेन्सफॉरबिज़नेससे पुनर्प्राप्ति.

विश्वनाथन, आर.(2011, April 8). *इंडियाडिपेंडेंटऑन ब्राज़ील और अर्जेंटीनाफॉरएडिबलऑयलएंडपल्सेस.* http://articles.economictimes.indiatimes.com/2011- 04-08/news/29396828_1_pulses-mt-soy-oilसे 6अक्तूबर, 2012को द इकोनॉमिक टाईम्स से पुनर्प्राप्ति.

विश्वनाथन, आर.(2012, जून 12).*पसीकअलायन्स* -

*येटअनैथरलैटिनअमेरिकनब्लॉक.*http://businesswithlatinamerica.blogspot.in/से 27सितम्बर, 2012को बिज़नेस विथ लैटिन अमेरिकासे पुनर्प्राप्ति.

विश्वनाथन, आर.(2012, जून 12).*पसीकअलायन्स - येटअनैथरलैटिनअमेरिकनब्लॉक.* http://businesswithlatinamerica.blogspot.in/से 27सितम्बर, 2012को बिज़नेस विथ लैटिन अमेरिकासे पुनर्प्राप्ति.

रोबेल, पी. एस . (एन.डी.). *फ्रॉमरिवल्सटूफ्रेंड्स : द रोलऑफपब्लिकडिक्लरेशन्स.* http://www.stimson.org/images/uploads/research-pdfs/decwrobel.pdfसे 27सितम्बर, 2012को स्टिमसन से पुनर्प्राप्ति.

डब्ल्यूटीओ. (एन.डी.).*डब्ल्यूटीओ सांख्यिकी डेटाबेस* . http://stat.wto.org/Home/WSDBHome.aspx?Language=से 26सितम्बर, 2012को *डब्ल्यूटीओ* से पुनर्प्राप्ति.

लेखक के विषय में

श्री नितिन आर्य, विश्व मामलों की भारतीय परिषद्, नई दिल्ली में एक अनुसंधान अंतःशिक्षु हैं। वर्तमान में वे अंतर्राष्ट्रीय मामलों विषय पर जिंदल स्कूल, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा से स्नातकोत्तर कर रहे हैं।

वे स्पेनी भाषा भी जानते हैं। आईसीडब्ल्यूए से जुड़ने से पहले लेखक एचडीएफसी बैंक से जुड़े हुए थे जहाँ पर उन्होंने बैंक के ट्रैजरी सलाहकार समूह के साथ साढ़े चार वर्ष तक कार्य किया। उन्होंने ओहियो विश्वविद्यालय, अमेरिका से एमबीए भी किया हुआ है। लेखक से इस मेल पर संपर्क करें: nitinarya84@gmail.com

a

विश्व मामलों की भारतीय परिषद्

सप्रू हाउस, बाराखंभा रोड़, नई दिल्ली-110001